● वर्ष-3
● अंक-249
रायपुर, मंगलवार
28 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

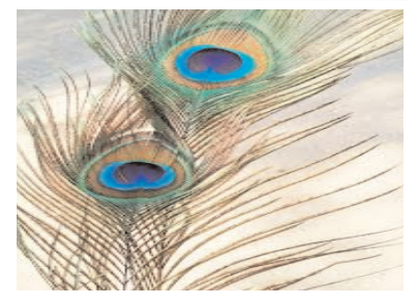

पेज-6›› घर की नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त...

जून में तापमान सामान्य से होगा अधिक

औसत से अधिक मॉनसून बारिश का पूर्वानुमान बरकरार

नई दिल्ली। आईएमडी ने औसत से अधिक मॉनसून बारिश का पूर्वानुमान बरकरार रखा है, जून में तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने अप्रैल के पूर्वानुमान पर कायम रहते हुए सोमवार को कहा कि भारत में इस साल औसत से अधिक मानसूनी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा, मात्रात्मक रूप से, पूरे देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून मौसमी वर्षा – 4% की मॉडल त्रुटि के साथ लंबी अवधि के औसत (एलपीए) का 106% होने की संभावना है। इसमें कहा गया है, मानसून सीजन (जून से सितंबर), 2024 के दौरान पूरे देश में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

आईएमडी ने यह भी कहा कि जहां मध्य और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में मानसून सामान्य से ऊपर रहेगा, वहीं पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से कम और उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। मौसम एजेंसी ने यह भी कहा कि अगले 5 दिनों में केरल में मानसून की शुरुआत के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। 2023 में, मानसून सीज़न (जून-सितंबर) के दौरान पूरे देश में बारिश, लंबी अवधि के औसत का 94 प्रतिशत थी। भारत में कुल वर्षा का 70 प्रतिशत से अधिक इसी दक्षिण पश्चिम मानसून अवधि के दौरान प्राप्त होता है। भारतीय मुख्य भूमि पर दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति केरल में मानसून की शुरुआत से चिह्नित होती है और यह गर्म और शुष्क मौसम से बरसात के मौसम में संक्रमण को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण संकेतक है। आईएमडी ने जून में उत्तर पश्चिम भारत और मध्य क्षेत्र के आसपास के हिस्सों में अधिक संख्या में हीटवेव वाले दिनों की भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने कहा है, जून 2023 के दौरान, उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश क्षेत्रों और उत्तर मध्य भारत के पड़ोसी क्षेत्रों में सामान्य से अधिक गर्मी वाले दिन रहने की संभावना है।

इसने यह भी चेतावनी दी है कि हीटवेव के दौरान, कमजोर आबादी, जैसे कि बुजुर्ग और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं वाले लोगों को स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों के जोखिम का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, अधिकारी शीतलन केंद्र खोलकर, सलाह जारी करके और शहरी ताप द्वीपों को कम करके सक्रिय रूप से कार्य कर सकते हैं।

उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा भीषण गर्मी की चपेट में है और पिछले सप्ताह से देश के कई स्थानों पर तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है।

देश का एजेंडा बन चुका है विकासवादः नड्डा

नई दिल्ली। वाराणसी में प्रभावी मतदाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आप सबकी उपस्थिति ने ये साफ कर दिया है कि आपने मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मन बना लिया है। आपको ये भी मालूम है कि मोदी जी ने 10 साल में राजनीति की परिभाषा, राजनीति की संस्कृति और राजनीति की सोच बदल डाली है। आज राजनीति विकासवाद की हो गई है। इसलिए आज भारत का हर व्यक्ति कह रहा है कि 2024 का वोट... 2047 का विकसित भारत का संकल्प को पूरा करने का संकल्प है।

नड्डा ने कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में विकासवाद देश का एजेंडा बन चुका है। आज कोई किसी से जाति नहीं पूछता, आज रिपोर्ट कार्ड की राजनीति हो गई है। उन्होंने कहा कि भारत पर 200 वर्षों तक राज करने वाले ब्रिटेन को पछाड़कर आज भारत 11वें नंबर से छलांग लगाकर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि 4 जून को पीएम मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और ये दुनिया के लिए बड़ी खबर होगी....अब भारत को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

वहीं, बुनकर कारीगर महासम्मेलन में उन्होंने कहा कि 2014 के बाद जो बुनकरों की जिंदगी में बदलाव आया है, वो मोदी जी के मजबूत नेतृत्व के कारण संभव हो पाया है। 10 साल पहले लोग सोचते थे कि इस देश में कुछ बदलने वाला नहीं है, ऐसी मानसिकता बन गई थी। लोगों में उदासीनता आ गई थी। लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में लोगों की आशाएं और आकांक्षाएं बदल गई हैं... आज उनको लगता है कि नेता देश को बदल सकता है। मोदी जी ने बुनकर समाज को हर तरीके से प्रोत्साहन देने का काम किया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने वोकल फॉर लोकल को आगे बढ़ाने का काम किया। वोकल फॉर लोकल... ये सिर्फ एक नारा नहीं है। ये भारत के आर्थिक जगत का मंत्र है और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की आत्मा है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी ने खादी को आगे बढ़ाने का नारा दिया था, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इसे दरकिनार कर दिया। खादी की चिंता भी अगर किसी ने की, तो वो मोदी जी ने की और उसे मुख्यधारा में लाने का काम किया। इसलिए वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट को प्रोत्साहन दिया गया।

इंडि गठबंधन की बैठक से टीएमसी ने किया किनारा

1 जून को सातवें चरण के चुनाव के बाद दिल्ली में इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक होने जा रही है। इस बैठक में इंडिया गठबंधन के सभी दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। देश की राजधानी दिल्ली में इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल के नेता एकजुटता दिखाएंगे और आने वाले नतीजों का आकलन करेंगे। इसके साथ ही बाद की रणनीति पर भी इस बैठक में चर्चा होगी। एक जून को ही अंतिम चरण में 57 सीटों पर चुनाव भी है। हालांकि इस बैठक की खबर आने के साथ ही इसमें फूट पड़ने की बात भी सामने आ रही है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस पार्टी को 2 सीट के लायक भी नहीं समझने वाली तृणमूल कांग्रेस ने इस बैठक से किनारा कर लिया है। टीएमसी 1 जून को इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल नहीं होगी। इसके साथ ही दिल्ली जाने को अव्यवहारिक बताया गया है।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने सोमवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस 1 जून को इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल नहीं होगी। सातवें चरण में हमारे सामने एक महत्वपूर्ण चुनाव है। बंगाल में नौ सीटों पर मतदान हो रहा है, जो किसी भी अन्य दिन से अधिक है। उस दिन कोलकाता और ग्रेटर कोलकाता की सभी सीटों पर मतदान होगा। पार्टी के नेता ने कहा कि यह टीएमसी के लिए बड़ा चुनावी दिन है. इसके अलावा यूपी, बिहार और पंजाब में भी वोटिंग होगी। दिल्ली जाना व्यावहारिक नहीं है। बैठक के लिए आमंत्रित लोगों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक, जिन्हें 10 मई को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था, को 2 जून को आत्मसमर्पण करना होगा।

चीन की आखिरी मस्जिद पर भी बरसा जिनपिंग का हथौड़ा

शंघाई। चीन से दुनियाभर के मुस्लिमों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। जिनपिंग से ऑर्डर मिलने के बाद आखिरी मस्जिद भी तोड़ दी गई है। सादियान की ग्रैंड मस्जिद चीन की सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक है। लेकिन इस मस्जिद के तीन गुबंद पर हथौड़ा चला दिया गया। चीन ने सिर्फ एक प्रांत शिनजियांग में ही 16 हजार से अधिक मस्जिदों पर बुलडोजर चला दिया। लेकिन भारतीय मुसलमानों के नाम पर दुष्प्रचार करने वाले कुछ मुस्लिम देश इसकी निंदा तो दूर चीन पर एक बयान नहीं दे पाए। चीन का सदाबहार दोस्त पाकिस्तान भी सबकुछ देखकर भी गूंगा बन

गया। असम में जिनपिंग सरकार मुस्लमानों के धार्मिक स्थलों को चाइनिज स्टाइल में बनवा रही है। इसलिए मस्जिदों को तोड़ा जा रहा है। गुबंद और मीनारों को ध्वस्त कर दिया गया है। यहां तक की मस्जिदों में दिखने वाले हरे रंग पर भी पाबंदी लगा दी गई है। पुरानी मस्जिद अरबी शैली में बनी थी जबकि नई मस्जिद में अरबी शैली की वास्तुकला खत्म कर दी गई है। दरअसल, चीन ने अपने देश में इस्लाम को भी बदल दिया है और इससे जुड़ी एक-एक चीज को भी बदल दिया है। चीन का मुसलमानों पर ऐसा हमला 57 मुस्लिम देशों के माथे पर भी जिसे देखकर पसीना आ गया है। चीन ने लगातार अपने फैसलों से कुरान, मस्जिद, इस्लामिक नाम, ढाढ़ी, बुर्का का चीनीकरण कर दिया है। यानी इन सभी को अपने स्टाइल में बदल दिया है। इसी कड़ी में इस्लामिक स्ट्राइल में बनी देश की मस्जिद को भी हटा दिया है। इसे ग्रैंड मौस्क ऑफ सेडियन कहा जाता है। हैरानी की बात देखिए कि चीन के चीन के इस कदम के बाद एक भी मुस्लिम देश में पत्ता तक नहीं हिला। करोड़ों मुस्लिम मानों आंख बंद करके बैठ गए हो।

वैवाहिक वर्षगांठ

वैवाहिक वर्षगांठ के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने मुख्यमंत्री निवास में की पूजा-अर्चना

प्रमुख समाचार

स्वाति से मारपीट के मुख्य आरोपी की याचिका खारिज

नई दिल्ली। स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में दिल्ली की अदालत ने सोमवार 27 मई को अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी। कुमार ने दिल्ली की तीस हजारी अदालत में जमानत याचिका दायर की थी, जिसने उनकी याचिका खारिज करने से पहले दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। कुमार पर 13 मई को नई दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास पर मालीवाल पर हमला करने का आरोप है और उन्हें 24 मई को चार दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। कुमार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने कहा कि जमानत याचिका विचार योग्य है। जब केजरीवाल के पीए को लेकर बहस चल रही थी तब मालीवाल अदालत में मौजूद थीं। अपना पक्ष रखते हुए, कुमार के वकील ने कहा कि एफआईआर में आईपीसी की धारा 308 लगाई गई है, जो सत्र न्यायालय द्वारा सुनवाई योग्य है, और वह सीएम के आवास पर गईं और पीए को बुलाया, उन्होंने तर्क दिया कि पीए विभव कुमार सीएम आवास पर मौजूद नहीं थे, फिर वह (स्वाति मालीवाल) सीएम आवास की ओर चली गई।

राजद नेता के पास गाने के अलावा कुछ नहीं है: हिमंत

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर कटाक्ष किया और कहा कि उनके पास गाने के अलावा कुछ नहीं है। बिहार के पटना में मीडिया से बात करते हुए सीएम सरमा ने कहा, तेजस्वी के पास गाने के अलावा कोई काम नहीं है... सरकार बीजेपी की है, 2027 में चुनाव है। उन्होंने कहा कि जेडीयू-बीजेपी गठबंधन की अच्छी सरकार है। दिल्ली में पीएम मोदी सरकार चलाएंगे। इसलिए, यह अच्छा है कि उन्होंने (तेजस्वी) गाना और अभ्यास करना शुरू कर दिया है। सरमा ने तेजस्वी यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी बहुत कम है और वे अपना समय गाने में बिताते हैं। सरमा ने बिहार में जेडी (यू) के साथ-साथ बीजेपी सरकार की स्थिरता और प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला और कहा, जेडी (यू) और बीजेपी की अच्छी सरकार है। यादव की गतिविधियों पर टिप्पणी करते हुए, सरमा ने चुटकी ली, यह अच्छा है कि उन्होंने (तेजस्वी ने) गाना और अभ्यास करना शुरू कर दिया है।

मोदी सरकार की आलोचना से राष्ट्र-विरोधी कहा जाता है: थरूर

चंडीगढ़ । कांग्रेस नेता शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि जब भी लोग मोदी सरकार की आलोचना करते हैं, उनपर राष्ट्रविरोधी होने का आरोप लगा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि असहमति को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल की तुलना की। उन्होंने कहा कि नेहरू ने कहा था कि भारत के लोगों में लोकतंत्र को स्थापित करना और प्रोत्साहित करना होगा। मोदी का जिक्र करते हुए थरूर ने कहा कि वर्षों पहले नेहरू द्वारा 70 साल पहले स्थापित लोकतांत्रिक संस्थानों और मूल्यों के कारण एक चायवाला देश का प्रधानमंत्री बन सका। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ आए थरूर ने कहा, लोकतंत्र में हमें सरकार को चुनौती देने और आलोचना करने का अधिकार है। लेकिन जब भी आप सरकार की आलोचना करते हैं, तो आप पर राष्ट्र-विरोधी होने का आरोप लगा दिया जाता है। पंजाब में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के बाद यहां आए थरूर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, इसका मतलब है कि आपका आलोचना करना अब वैध नहीं है।

आर्मी चीफ को मिला एक महीने का सेवा विस्तार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 26 मई को सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का कार्यकाल उनकी निर्धारित सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पहले एक महीने की अवधि के लिए बढ़ा दिया। जनरल पांडे को 25 महीने के कार्यकाल के बाद 31 मई को सेवा से सेवानिवृत्त होना था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने जनरल पांडे की सेवा में एक महीने के विस्तार को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सेना नियम 1954 के 16 ए (4) के तहत 26 मई को थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज सी पांडे की सेवानिवृत्ति की सामान्य आयु (31 मई) से परे एक महीने की अवधि के लिए, यानी 30 जून तक सेवा में विस्तार को मंजूरी दे दी। जनरल एमएम नरवणे की सेवानिवृत्ति के बाद जनरल मनोज पांडे ने 30 अप्रैल, 2022 को 29वें सेना प्रमुख की भूमिका संभाली। इस नियुक्ति से पहले, जनरल पांडे ने सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्य किया। भारतीय सेना का नेतृत्व करने वाले कोर ऑफ इंजीनियर्स के पहले अधिकारी होने के लिए उल्लेखनीय हैं। अपने प्रतिष्ठित करियर के दौरान, जनरल पांडे ने अंडमान और निकोबार कमांड के कमांडर-इन-चीफ का पद भी संभाला.

विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबसे अधिक सीटः देवेंद्र

नागपुर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि महायुति गठबंधन में शामिल सभी तीनों दल विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर मिलकर फैसला करेंगे, हालांकि सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते भाजपा को निश्चित रूप से सबसे अधिक सीट मिलेंगी। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अलावा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। फडणवीस ने पत्रकारों से कहा, महायुति के तीनों दलों के नेता विधानसभा चुनाव के लिए एक उचित सीट-बंटवारे का फॉर्मूला तय करने के लिए बैठक करेंगे और उसी के अनुसार सीटें आवंटित की जाएंगी। जाहिर है सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण भाजपा को सबसे ज्यादा सीट मिलेंगी। हालांकि, सीट बंटवारे में हमारे सहयोगियों को उचित सम्मान दिया जाएगा। वह राकांपा के नेता छगन भुजबल की टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। भुजबल ने कहा था कि उनकी पार्टी को कुल 288 सीट में से कम से कम 80 से 90 सीट पर चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा।

किसानों के मन में दूर हुई गलतफहमी, भाजपा के लिए पंजाब में बढ़ा समर्थन

अमित शर्मा

लोकसभा चुनावों की शुरुआत में ही भाजपा और अकाली दल के एक बार फिर साथ आने की चर्चा तेज हो गई थी, लेकिन किसानों की नाराजगी के भय से अकाली दल ने इस गठबंधन से अपना मुंह मोड़ लिया था। लेकिन अकाली दल के इसी कदम ने भाजपा को पंजाब में अपने दम पर मजबूत होने का फॉर्मूला दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सधे कदमों से पंजाब का दिल जीतने की कोशिश की। एक के बाद एक कदमों से उन्होंने पंजाबियत से अपना नाता जोड़ा। उधर, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आढ़तियों और किसानों से लगातार बातचीत कर भाजपा और पीएम को लेकर फैलाई गई कई गलतफहमियां भी दूर कीं। इन कोशिशों का असर यह हुआ है कि अब कई आढ़ती-किसान संगठन खुलकर भाजपा के साथ खड़े हो गए हैं। अब भाजपा पंजाब में तीन से चार सीटों (गुरदासपुर, अमृतसर, लुधियाना और पटियाला) पर मजबूत स्थिति है और वह इन पर जीत भी हासिल कर सकती है। वोट प्रतिशत के लिहाज से भी भाजपा अब तक का सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती है। यदि सब कुछ ठीक ठाक रहा तो इससे पार्टी के लिए पंजाब में नई संभावनाओं के द्वार खुल सकते हैं।

दरअसल, 2019-20 के किसान आंदोलन ने केंद्र सरकार की राह में मुश्किलें खड़ी कर दी थीं। लेकिन समय बीतने के साथ-साथ पंजाब में भी अब किसानों को आम जनता का ज्यादा समर्थन नहीं मिल रहा है। लोगों को लगने लगा है कि रोज-रोज के आंदोलन, सड़कों-रेल पटरियों को जाम करने से किसी समस्या का समाधान नहीं निकल सकता। उलटे इससे आम लोगों की समस्याएं ही बढ़ी हैं। पंजाब के पढ़े-लिखे वर्गों के बीच भी अब किसानों को उनकी बेतरतीब मांगों को लेकर समर्थन घट रहा है। कुछ किसान अपने संगठनों की बातों से उलट जाकर भी भाजपा का समर्थन करते दिखाई दे रहे हैं। इससे भी किसान संगठनों की आंदोलन वाली धार कुंद हुई है।

भाजपा का समर्थन करने लगे हैं किसान

एक किसान नेता ने अमर उजाला को बताया कि किसानों के साथ-साथ आम लोगों के बीच भी एक बात पर सहमति बनती दिखाई दे रही है कि आंदोलन के दौरान वामपंथी किसान जत्थेबंदियों के द्वारा कुछ ऐसी मांगें रख दी गई थीं, जिसे पूरा कर पाना किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं होगा। पंजाब में अब चर्चा यहां तक होने लगी है कि इन मांगों को मांग पत्र में डालने का उद्देश्य ही यह था कि केंद्र सरकार और किसानों के बीच की बातचीत किसी मुकाम पर न पहुंचने पाए। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ-साथ आम लोग भी अब इस %राजनीति% को समझ रहे हैं। यही कारण है कि बहुत सारे किसान अब अपने संगठनों की बातों से इतर जाकर भाजपा का समर्थन करने लगे हैं। भाजपा को इसका लाभ मिल सकता है।

आढ़तियों-किसानों का आंदोलन से मोहभंग तो हुआ है, लेकिन यह एकजुट होकर किसी राजनीतिक दल के पक्ष में जाता हुआ भी नहीं दिखाई दे रहा है। पंजाब की राजनीति पर नजर रखने वाले सुखचरण सिंह ने अमर उजाला से कहा कि किसानों का समर्थन कई गुटों में बंट सकता है। कांग्रेस के पक्ष में किसानों का एक धड़ा एक जुट हो सकता है, तो अकाली दल भी कुछ वापसी करता दिख रहा है। उनका मानना है कि जनता के लिए कुछ काम करने से आम आदमी पार्टी को भी कुछ लाभ हो रहा है। हालांकि विधानसभा चुनावों की तुलना में उसे बड़ा नुकसान हो सकता है।

सुखचरण सिंह ने कहा कि लेकिन भाजपा के लिए बड़ा लाभ यह हुआ है कि किसानों का एक वर्ग उसके समर्थन में आ गया है। हिंदू मतदाताओं के बीच भी पार्टी जबरदस्त लोकप्रिय हुई है। इससे भाजपा को पंजाबी में अपना विस्तार करने में मदद मिली है।

आढ़ती एसोसिएशन ऑफ पंजाब के अध्यक्ष रविंदर सिंह चीमा ने अमर उजाला से कहा कि केंद्र सरकार के साथ लगातार बातचीत करने का एक लाभ यह हुआ है कि अब किसानों की समस्या सुलझती दिखाई दे रही है। वे भी यह मानते हैं कि किसी भी सरकार के लिए किसानों की सभी मांगों को पूरा कर पाना संभव नहीं था। लेकिन बीच का रास्ता यह निकाला जा रहा है कि प्रमुख फसलों के लिए केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर दिया जाएगा। इस पर सभी किसान लाभ ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि सभी फसलों पर एमएसपी की बजाय कुछ प्रमुख फसलों को एमएसपी के दायरे में लाने से केंद्र सरकार और किसानों के बीच इस मुद्दे पर सहमति बन सकती है। इस उम्मीद ने लोगों को केंद्र सरकार के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

आढ़ती किसान संघ के उपाध्यक्ष रविंदर सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार ने बातचीत के दौरान लगातार इस बात पर भरोसा दिया है कि किसानों व आढ़तियों के हितों का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाएगा। किसानों को अपनी हर फसल को अपनी इच्छा से बेचने की अनुमति मिले, उसे उसका सही दाम मिले और साथ-साथ आढ़तियों को भी किसी अतिरिक्त टैक्स का सामना न करना पड़े, इससे दोनों पक्षों में सहमति बन सकती है। उन्होंने कहा कि केंद्र के इस उदार रवैये के कारण उसके प्रति भरोसा बढ़ा है।

मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की हुई पहचान

■ एक लाख का ईनामी आरपीसी मिलिशिया कमाण्डर था

सुकमा। जिले के कोंटा थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम बेलपोच्चा, जिनेतोंग के जंगल में 25 मई को प्रातः लगभग 11 बजे ग्राम मुठभेड़ में 1 अज्ञात पुरूष नक्सली का शव के साथ 1 नग भरमार बंदूक, 1 नग एंड्राइड मोबाईल फोन, 1 नग पिट्ठू जिसके अंदर 3 नग तीर बम, 4 नग इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 4 नग जिलेटिन रॉड, 1 मीटर कोर्डेक्स वायर गांठ लगा हुआ, 1 फीट फ्यूज वायर 4 नग टाईगर बम फटाका, 4 पैकेट टिकली फटाका, 1 गुच्छा बिजली वायर, 1 नग बैग जिसके अंदर नग सोलर प्लेट, 1 नग एलीमीटर, 1 नग टार्च, 2 नग कैंची, नक्सल साहित्य, नग नोट बुक, नक्सली पर्चा, दवाईयां, कपड़े व अन्य दैनिक नक्सल सामाग्री बरामद किया गया था।

उक्त मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की शिनाख्तगी जिले के आत्मसमर्पित नक्सलियों व अन्य स्त्रोतों के माध्यम से मुचाकी भीमा पिता मुचाकी कोसा (कोंटा एरिया कमेटी अंतर्गत गोमपाड़ आरपीसी मिलिशिया कमाण्डर, ईनामी एक लाख रूपये, उम्र लगभग 30 वर्ष निवासी किंदरेलपाड़ थाना भेज्जी जिला सुकमा के रूप मे किया गया। जो नक्सल संगठन में जुड़कर विभिन्न नक्सली वारदातों जैसे आवागमन वाले मार्गों को खोद कर अवरूद्ध

करना, शासन-प्रशासन के विरूद्ध में नक्सली पर्चा-पाम्पलेट लगाना, ग्रामीणों से डरा-धमका कर लेव्ही वसूली करना आदि वारदातों में शामिल रहा है।

नक्सलियों ने 2 टावर पर लगाई आग

नारायणपुर। जिले के छोटेडोंगर थाना

क्षेत्र अंर्तगत ग्राम गौरदंड और चमेली गांव में नक्सलियों ने रविवार रात लगभग 12 बजे दो मोबाइल टावर को आग के हवाले कर दिया है। जिला पुलिस एवं आईटीबीपी के जवानों को सर्चिग पर रवाना किया गया है। इसके अलावा नक्सलियों ने बैनर भी लगाया है, नक्सली बैनर में छोटेडोंगर के पद्मश्री वैद्यराज हेमचंद्र मांझी पर निको माइंस में दलाली का आरोप लगाया है। हेमचंद्र मांझी को देश से मार भगाने की बातें बैनर में लिखी गई है। विदित हो कि पद्मश्री हेमचंद्र मांझी के भतीजे कोमल मांझी की नक्सलियों ने पहले ही हत्या कर चुके हैं। नक्सलियों से जान के खतरे को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने वैद्यराज को जिला मुख्यालय स्थित सेफ हाउस में सुरक्षा दी है।

नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने नक्सलियों के द्वारा दो मोबाइल टावर को आग के हवाले करने की पुष्टि करते हुए बताया कि छोटेडोंगर थाना के ग्राम गौरदंड और चमेली गांव में नक्लियों ने आग लगाई है। दोनों मोबाइल टावर को जल्द ही शुरू किया जाना था, लेकिन उससे पहले ही नक्सलियों ने आग के हवाले कर दिया है, पुलिस एवं आईटीबीपी के जवान को सर्चिग पर रवाना किया गया है।

हत्या और अपहरण में शामिल रहे दो नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। बीजापुर में डीआरजी और गंगालुर थाना की संयुक्त पार्टी ने मेटापाल के जंगल से हत्या और अपहरण जैसी घटनाओं में शामिल रहे दो जन मिलिशिया सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक नक्सल विरोधी अभियान के तहत बीजापुर डीआरजी व गंगालुर थाना की संयुक्त पार्टी मेटापाल की ओर निकली थी। इस दौरान मेटापाल से दो जन मिलिशिया सदस्यों कमलू पुनेम पिता रघु पुनेम उम्र 30 निवासी पुसनार व गोपाल पुनेम पिता कोसा उर्फ गल्ला उम्र 35 निवासी सावनार गंगालुर थाना को पकड़ा गया।

पकड़े गये नक्सलियों में कमलू पुनेम 8 फरवरी 2014 को पुसनार के ग्रामीण का अपहरण व हत्या की घटना में तथा गोपाल पुनेम 12 फरवरी 2012 में गंगालुर मंझारपारा कच्ची रोड पर पुलिस पार्टी को क्षति पहुंचाने के लिए आईईडी प्लांट करने की घटना में शामिल था। पकड़े गये नक्सलियों के खिलाफ गंगालुर थाना में वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया है।

तेंदुआ हुआ हीट स्ट्रोक का शिकार 108 डिग्री बुखार के बाद मौत

कोरबा। कटघोरा वनमंडल में तेंदुआ हीट स्ट्रोक का शिकार हुआ था।जिसकी कानन पेंडारी में इलाज के दौरान मौत हो गई है। वन विभाग ने रविवार की देर रात डेढ़ बजे तेंदुए को कानन पेंडारी शिफ्ट किया था। जहां सोमवार की सुबह लगभग 8ः30 बजे तेंदुए ने दम तोड़ दिया। तेंदुआ के शरीर मे पानी की भारी कमी थी, जिससे उसकी मौत हुई है।ये तेंदुआ कटघोरा वनमंडल के नजदीक एक गांव कोनकोना में मिला था। बीमार तेंदुए की सूचना ग्रामीणों ने वनविभाग को दी।तेंदुआ को बेहद सुस्त हालत में देखा गया था।वो चलने फिरने में दिक्कत महसूस कर रहा था। गांव वालों ने बताया कि तेंदुआ को पेड़ों के आसपास घूम रहा था।सूचना मिलने के बाद वनविभाग ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए का रेस्क्यू किया। जांच के बाद पता चला कि तेंदुआ को हीट स्ट्रोक हुआ है।उसे 108 डिग्री का बुखार है। एक्सपर्ट की निगरानी में तेंदुआ का इलाज शुरु किया गया।

ये पूरी घटना कटघोरा वनमंडल की कोनकोना की है।वहीं जांच के बाद अफसरों का कहना है कि तेंदुआ को संक्रमण भी हो सकता है। तेंदुआ की बीमार होने की जानकारी के बाद कानन पेंडारी बिलासपुर की टीम से मदद मांगी गई थी।जिसके बाद बिलासपुर से टीम कटघोरा पहुंची।यहां तेंदुआ को ट्रैंकुलाइज के बाद बेहोश किया गया।फिर उसे पकड़कर पिंजड़े की मदद से कानन पेंडारी डॉक्टरों के पास पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने तेंदुआ की जांच की। जांच के बाद पता चला कि तेंदुआ को हीट स्ट्रोक लगा है।लेकिन इलाज के दौरान ही तेंदुआ ने सोमवार सुबह दम तोड़ दिया।

डीएफओ कुमार निशांत ने कहा तेंदुआ जहां हमें मिला था। उस स्थान के समीप डबरी में पर्याप्त मात्रा में पानी था। इसके बाद भी भीषण गर्मी से वो हीट स्ट्रोक का शिकार हो गया था। जब वह हमें मिला तो उसकी स्थिति काफी नाजुक थी।इलाज के दौरान उसे नहीं बचाया जा सका है। कटघोरा वन मंडल में तेंदुआ की आमद से वन विभाग इनकार करता रहा है। विभाग का कहना है कि अचानकमार अभ्यारण का इलाका कटघोरा से लगा हुआ है। जहां से तेंदुआ यहां विचरण करने आ जाते हैं। लेकिन अब लगातार यहां तेंदुआ देखा जा रहा है। मौजूदा मामले में भी यही हुआ है। वन मंडल की ओर से बताया गया कि तेंदुआ के अलावा और भी कई प्राणी यहां पर हैं। हाथियों की संख्या भी वन मंडल में काफी अधिक है। अब कटघोरा वन मंडल में लगातार तेंदुआ को देखा गया है। अब इस दिशा में भी वन विभाग ने काम करना शुरू कर दिया है। इससे पहले शनिवार को कांकेर में भालू के बीमार होने की सूचना मिली थी। जंगलवार कॉलेज भवन के पास शनिवार सुबह एक भालू पहुंचा था।जो काफी सुस्त नजर आ रहा था। जब वनविभाग की टीम को सूचना मिली तो वो डॉक्टर के साथ मौके पर पहुंची।जांच करने पर पता चला कि भालू को लू लग गई थी।

65 लाख का घोटाला, धान खरीदी केंद्र के प्रभारी पर एफआईआर

मुंगेली। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिला के लोरमी विकासखण्ड के धान उपार्जन केंद्र गुरुवाईनडबरी में अनियमितता के चलते प्रभारी पर बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने धान उपार्जन केंद्र के प्रभारी रामदास बंजारे के खिलाफ दो अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज की है।

दरअसल, जिला कलेक्टर राहुल देव ने इस धान उपार्जन केंद्र में रामदास बंजारे द्वारा धान के उठाव में सहयोग नहीं किया जा रहा था, जिससे केंद्र में लगातार अनियमितता देखी जा रही थी। इसके चलते जिला कलेक्टर ने एक प्रशासनिक टीम को धान उपार्जन केंद्र में जांच के लिए भेजा। वहीं जांच में 2000 क्विंटल से अधिक धान की कमी पाई गई और किसानों से बारदाना लेना सहित कई अनियमितता पाई गई। इस अनियमितता को देखते हुए कलेक्टर ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के लिए टीम भी गठित किया है।

इस मामले पर जिला खाद्य अधिकारी देवेंद्र कुमार बग्गा ने बताया, कि गुरूवाईनडबरी धान खरीदी प्रभारी रामदास बंजारे ने 5 मई की सुबह धान उपार्जन केंद्र में ट्रक बुलवाकर किसानो से खरीदे गए धान में से 600 बोरी अनुमानित वजन 240 क्विंटल कीमत 744000/- रू. को अवैध बिक्री के लिए लोड करवा था।

खाद्य अधिकारी ने बताया, कि प्रभारी संस्था प्रबंधक सेवा सहकारी समिति गुरुवाईन के डबरी जुगल किशोर साहू और जिला सहकारी बैंक शाखा

कंतेली के पर्यवेक्षण गजराज सिंह ने इसकी सूचना लालपुर थाने में दी थी। जिसपर लालपुर पुलिस ने प्रथम स्तर की कार्रवाई कर संबंधित विभाग से जांच टीम भेजी गई। जांच में मिली सूचना को सही पाया गया। जिसके बाद जिला प्रशासन ने रामदास बंजारे के खिलाफ धारा 420, 409 भादवि के अंतर्गत केस दर्ज कर लिया है।

वहीं सहायक आयुक्त सहकारिता एवं सहायक पंजीयक सहकारी संस्था के हितेश श्रीवास ने बताया कि धान खरीदी प्रभारी गुरुवाईनडबरी में रामदास बंजारे द्वारा चालू सत्र 2023-2024 में कुल खरीदी की गई धान कुल 55972 क्विंटल धान में से 47773,60 क्विंटल धान की परिदान किया जा चुका है। शेष बचा हुआ 2095.20 क्विंटल धान मिलना था, जो जांच में नहीं पाया गया। यानि रामदास बंजारे ने बेईमानी से 64,94500 रूपये के धान गबन कर लिया है।

गांजा तस्करी का मास्टर माइंड फरार

कोंडगांव। छत्तीसगढ़ में गांजा तस्करी का मास्टर माइंड फरार हो गया है। कोंडागांव पुलिस ने सोमवार को उत्तरप्रदेश के दो तस्करों को उड़ीसा से गांजा लेकर रायपुर आते हुए पकड़ा है। पुलिस ने तस्करों के पास से 11 लाख रुपये कीमती गांजा बरामद किया है। बता दें, पुलिस लगातार अवैध मादक पदार्थों एवं पर अंकुश लगाने लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि उड़ीसा जगदलपुर की ओर से रायपुर की ओर जा रही एक ट्रक क्रमांक सीजी 04 जेसी 9732 में अवैध पदार्थ का परिवहन किया जा रहा है। कोण्डागांव पुलिस ने सूचना एक्शन लेते हुए एन एच 30 में बैरिकेट लगाकर ट्रक की तलाशी ली जिसमें 22 पैकेट गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों तस्कर के पास से ट्रक में 11 लाख रुपये कीमत के एक क्विंटल 10 किलो गांजा और 7 लाख की ट्रक समेत कुल 18 लाख की संपत्ति जब्त कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

15 लाख के लूट के दो आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

बिलासपुर। ऑनलाइन पार्ट टाइम जॉब देकर 15 लाख रुपये से अधिक की ठगी करने के दो आरोपियों को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। बिलासपुर के परिजात एक्सटेंशन में रहने वाले सुनील कुमार (36 वर्ष) ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि क्राइन स्विच इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी का एचआर बनकर एक महिला ने उसे फोन किया और टेलीग्राम ऐप के ग्रुप में जुड़कर पार्ट टाइम जॉब का ऑफर दिया। इसमें कुछ छोटे-छोटे टास्क पर हर बार 200 रुपये मिलना बताया गया। शुरू में उसे यह रकम दी जाती रही। बाद में गलत टास्क होना बताकर सुनील कुमार से पैसे जमा कराया जाने लगा। उसे अधिक रकम जमा करने पर अधिक मुनाफा होने का लालच दिया गया। जब प्रार्थी ने इसके पीछे 15 लाख 4 हजार 850 रुपये गवां डाले, तब उसे ठगी की आशंका हुई और उसने पुलिस में रिपोर्ट लिखाई।

एफआईआर के बाद साइबर पुलिस ने जांच शुरू की। जिन खातों में रकम जमा कराई गई थी उनका बैंक स्टेटमेंट, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन, एटीएम से निकाली गई रकम, उपयोग में लाए गए मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर, सिम नंबर आदि की समीक्षा करने पर पता चला कि आरोपी

राजस्थान के गुडपालिया, लडानू व आसपास के गांवों में बैठकर ठगी कर रहे हैं। एसपी रजनेश सिंह ने निरीक्षक अवनीश पासवान के साथ एक टीम राजस्थान और दिल्ली रवाना की। राजस्थान में टीम ने करीब एक सप्ताह रहकर दो आरोपियों अजय सिंह और गजेंद्र स्वामी को हिरासत में ले लिया। फ्राड करने की बात स्वीकार करते हुए उन्होंने बताया कि वे स्थानीय मजदूरों के नाम पर लिए गए सिम कार्ड का बातचीत के लिए तथा उनके ही बैंक खातों का ट्रांजेक्शन के लिए उपयोग करते थे। उनके खाते में राशि आने पर वे उसका आहरण कर लेते थे। दूसरी ओर इनका एक और साथी मनोज स्वामी खाड़ी देश कतर की राजधानी दोहा में लेबर ठेकेदारी की आड़ में ऑनलाइन फ्रॉड करता है। वह वहां काम करने वाले मजदूरों को भारत में अपने परिजनों को भारतीय रुपये में रकम भेजने की जरूरत पड़ती है। मनोज स्वामी उन मजदूरों से रियाल मुद्रा की राशि ले लेता है। बदले में गजेन्द्र स्वामी और अजय सिंह ठगी से मिली रकम उनके भारत में रहने वाले परिजनों को कैश सौंप देते थे या फिर उनके एकाउंट में डाल देते थे।

पुलिस को जानकारी मिली कि प्रार्थी सुनील कुमार से मिले 15 लाख रुपये में से 5 लाख रुपये आरोपियों ने कैश निकलवाए। खाते में 1.27 लाख रुपये शेष थे, जिसे कोर्ट के आदेश पर प्रार्थी सुनील कुमार को वापस दिलाया गया है। शेष राशि आरोपियों ने मनोज स्वामी के बताए गए दोहा के मजदूरों के परिजनों के एकाउंट में ट्रांसफर कर दिए थे। पुलिस ने मनोज स्वामी के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। कोर्ट के आदेश पर आरोपी गजेंद्र स्वामी व अजय सिंह को जेल भेज दिया गया है। सभी पर आईपीसी की धारा 420, 120 बी, 34 तथा आईटी एक्ट की धारा 43 तथा 66 सी और डी के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

फिर पलटी सवारी लेकर जा रही मालवाहक पिकअप

कोरिया। तमाम कोशिशों के बावजूद भी माल

वाहक पिकअप वाहन सवारी ढोना बंद नहीं कर रहें हैं। हालांकि सूबे में यात्रियों को ढो रहे मालवाहक पिकअप वाहनों के खिलाफ स्थानीय प्रशासन के द्वारा कार्रवाई की लेकिन वह अपर्याप्त है। कवर्धा हादसे के बाद पिकअप वाहनों ने सबक लेने के बजाय यात्रियो को ढोने में लगे हैं सोमवार को कोरिया में हादसा हो गया मजदूरों से भरी पिकअप पलट गई है। खुशनसीबी यह रही कि इस हादसे में किसी की मौत नहीं हुई यात्री घायल अवश्य हुए हैं। पिकअप में 30 मजदूर सवार थे यह पिकअप कोरिया जिले के धौराटिकरा मोड़ के पास पलट गई।

महिला थाने के 7 काउंसलरों को एसपी ने किया कार्यमुक्त

दुर्ग। महिला थाने में पारिवारिक मामलों की काउंसिलिंग करने वाले 7 काउंसलरों की काउंसिलिंग में दुर्व्यवहार और पक्षपात करने की शिकायत दुर्ग एसपी के पहुंच रही थी। इस पर कार्रवाई करते हुए एसपी ने 7 काउंसलरों को हटाने के आदेश जारी कर दिए है। मिली जानकारी के अनुसार महिला थाना में पहुंचने वाले पारिवारिक मामलों की काउंसलिंग के लिए काउंसलरों की नियुक्ति की गई है। जहां पारिवारिक मामलों को परामर्श के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जाता है, लेकिन दुर्ग पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के पास लगातार महिला थाने में काउंसलरों द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने और पश्नपात किये जाने की शिकायत पहुंच रही थी। एसपी ने श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती संगीता सिंह, श्रीमती गौरी चक्रवर्ती को दुर्व्यवहार और पक्षपात की शिकायत पर हटा दिया। वहीं श्रीमती सरिता सिंह, श्रीमती अनीस सुल्ताना, श्रीमती मीना सुशील और श्रीमती प्रभा गुप्ता को लगातार अनुपस्थिति के चलते हटाया गया है।

छत्तीसगढ़ पुलिस को तलाश है 'मुर्गा चोर' की, चुराएं 9 मुर्गे

दुर्ग। पुलिस के पास एक दुकानदार ने अपने 9 मुर्गे चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पूरा मामला दुर्ग कोतवाली थाने का है। दुकानदार का दावा है कि मुर्गा चोरी करते दो चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए है। जिसके बाद उन्होंने ये रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। एफआईआर के मुताबिक चोरों ने दुकान के गल्ले में रखे 20-30 रुपए चिल्हर (1,5 और 10 रुपए के सिक्कों) को भी नहीं छोड़ा और उसे भी चुराकर ले गए। चिकन दुकान के संचालक सलीम खान की शिकायत पर पुलिस ने धारा 380,457,34 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। सिटी कोतवाली पुलिस ने बताया कि सुभाष नगर निवासी सलीम खान (32वर्ष) की इंदिरा मार्केट दुर्ग में अजिज पोल्ट्री के नाम से चिकन दुकान है। उसने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 23 मई की रात 10 बजे दुकान में ताला लगाकर घर चला गया। अगले दिन दुकान खोलने सुबह 8 बजे आया तो देखा कि दुकान का शटर का ताला टूटा हुआ था। शटर गल्ले को खोलकर देखा तो चिल्हर पैसा एवं गल्ले में रखा उसका आधार कार्ड की फोटोकापी नहीं थी।

पेट्रोल पम्प मैनेजर से 14 लाख की लूट, आरोपी फरार

राजनांदगांव। चिचोला के नजदीक पेट्रोल पंप के एक मैनेजर के साथ लाखों रुपए की लूटपाट की घटना हुई है। मैनेजर पर कथित रूप से धारदार हथियार से हमला भी किया गया है। सीसीटीवी फुटेज में एक सफेद रंग की कार कैद हुई है। पुलिस ने नेशनल हाईवे के अलावा आसपास के प्रमुख रास्तों में नाकेबंदी कर दी है। सोमवार सुबह लगभग 10.30 बजे मैनेजर के साथ उस वक्त लूटपाट की घटना हुई, जब वह पंप की रकम जमा करने बाईक से राजनांदगांव आ रहा था। पीछे से आ रही एक कार में सवार तीन लोगों ने मैनेजर पर हमला कर दिया और बैग में रखे 14 लाख से ज्यादा रकम लेकर फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आईजी दीपक झा ने पूरे मामले की बारीकी से जांच करने के निर्देश दिए हैं। वहीं डोंगरगढ़ एसडीओपी आशीष कुंजाम मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ले रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक घोरतलाव स्थित मारूति फ्यूल के मैनेजर राजाराम विश्नोई 14 लाख रु. बैंक में जमा करने के लिए बाईक से राजनांदगांव निकले थे।

बजरंग दल के जिला सहसंयोजक और युवती का शव मिलने से सनसनी

बलरामपुर। बलरामपुर रामनुजगंज में बजरंग दल के जिला सहसंयोजक सुजीत स्वर्णकार का संदिग्ध परिस्थिति में शव जिला मुख्यालय से महज पांच किलोमीटर की दूरी पर डुमरखी जंगल में मिला। वहीं बगल में एक युवती का भी शव मिला है जो दहेजवार की बताई जा रही है। सूचना पर बड़ी संख्या में बलरामपुर से लोग मौके पर पहुंचे। घटना से पूरे बलरामपुर में शोक की लहर है। घटना के विरोध में नगर वासियों चक्काजाम कर दिया है। सुजीत अपने घर से 10:30 बजे करीब स्कूटी से निकला था जिसके बाद आज सुबह उसका शव देखा गया घटना की सूचना मिलती ही स्वजन एवं बड़ी संख्या में बलरामपुरवासी मौके पर पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक घटना के कारण का पता नहीं चल पाया है वहीं युवती दहेजवार की बताई जा रही है। शरीर में बेहरमी से मारपीट के निशान दिख रह है। घटना से पूरे बलरामपुर में तनाव फैल गया है नगरवासियों के द्वारा चक्का जाम कर दिया गया है।

सैकड़ों ग्रामीणों ने मुख्य सड़क पर किया चक्काजाम

■ अवैध कब्जा हटाने की मांग, 2 घंटे तक बाधित रहा आवागमन

अभनपुर। अभनपुर क्षेत्र के ग्राम कुर्रा में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने के विरोध में ग्रामीणों ने आज अभनपुर-नवापारा मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इससे पौने दो घण्टे तक आवागमन प्रभावित रहा। अधिकारियों की समझाइश और तत्काल बेजा-कब्जा हटाए जाने की कार्रवाई के बाद ग्रामीणों का चक्काजाम समाप्त हुआ।

बता दें कि ग्रामीणों द्वारा अभनपुर-नवापारा मुख्य मार्ग पर चक्काजाम की खबर के बाद प्रशासन हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन देकर चक्काजाम खत्म करने का अनुरोध किया, लेकिन ग्रामीण कब्जा हटाने की मांग पर अड़े रहे। जिसके बाद प्रशासन ने जब तत्काल अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई की तब

जाकर ग्रामीणों ने चक्काजाम खत्म किया। कुर्रा ग्रामवासियों के मुताबिक, गांव के ही कुछ लोगों ने गांव में स्थित करोड़ो की सरकारी जमीन पर बेजा कब्जा कर लिया था, जिसे हटाने की मांग करने के बावजूद प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा था।

पौने 2 घंटे तक फंसी रही गाड़ियां

गौरतलब है कि, अभनपुर-नवापारा मुख्य मार्ग रायपुर से देवभोग मुख्य मार्ग पर स्थित है, जो छत्तीसगढ़ को उड़ीसा से जोड़ता है। इसके चलते इस मार्ग पर प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में सवारी बसें, भारी वाहन और लोगों का चौबीसों घंटे आना-जाना लगा रहता है। ग्रामीणों के चक्काजाम के चलते मार्ग पर कई गाड़ियां करीब पौने 2 घंटे तक फंसी रही। चक्काजाम खत्म होने के बाद तेज गर्मी की वजह से हलाकान हो रहे लोगो ने राहत की सांस ली।

परिवार के सदस्य की मौत पर छोड़ देते हैं पहाड़ी कोरवा घर

कोरबा। छत्तीसगढ़ की पांच विशेष पिछड़ी जनजातियों में शामिल पहाड़ी कोरवाओं में आज भी कई रहस्यमयी प्रथाएं प्रचलित हैं। वनांचल में रहते हुए उनकी कई पीढ़ियां बीत चुकी हैं। इनमें कुछ ऐसी परंपरा चली आ रही है, जिनके बारे में जानकर आप भौचक्के रह जाएंगे। कहा जाता है कि आदिवासी ही इस पृथ्वी के मूल निवासी हैं। कोरवा से ही कोरबा जिले को उसका नाम मिला, लेकिन वह आज भी मुख्य धारा से नहीं जुड़ पाये हैं। जानकार कहते हैं इनकी परंपरा, जीवनशैली भी इनके विकास में बाधक बन जाते हैं।

कोरवाओं में एक अनोखी परंपरा है, जिसे कुप्रथा भी कह सकते हैं। जिसके कारण वह खानाबदोश जीवन जीते हैं। वह बेहद सीमित संसाधन से अपना घर जंगल में बनाते हैं। लेकिन जब इस घर में उनके परिवार के किसी सदस्य की मौत हो जाए। तब वह उस घर को पूरी तरह से त्याग देते हैं और वहां से पलायन

कर किसी दूसरे स्थान पर जाकर फिर से अपना घर बनाते हैं। आखिर इसके पीछे क्या विचार और भ्रांतियां हैं। यह जानने के लिए मीडिया कोरवाओं की बस्ती में पहुंचा और यह पता लगाने की कोशिश की कि आखिर कोरवा अपनी इस अनोखी परंपरा को आज भी क्यों निभा रहे हैं।

अजगरबहार के बाघमारा में रहने वाला पहाड़ी कोरवा जनजाति का युवक चंद्रकुमार ने भी अपना घर छोड़ दिया है। चंद्रकुमार बोकलीभाटा में रहता था। महीनेभर पहले उसके माता पिता की मौत हो गई। उसके बाद चंद्रकुमार ने वो घर छोड़ दिया। घास फूंस, लकड़ी से कुछ लोगों की मदद से छोटा सा घर बना लिया । अब पत्नी और बच्चों के साथ चंद्रकुमार अपने नए घर में रहने लगा है।

चंद्रकुमार, माता पिता की मौत के बाद घर छोड़ने वाला कोरवा युवक ने कहा माता पिता की मौत से मन काफी दुखी था। घर का माहौल एकदम गमगीन हो गया था। इस वजह से मैंने उसे घर को तोड़ दिया। माता-पिता के जाने के बाद मैं काफी तकलीफ में हूं। उस घर में उनका साया था, वह प्रेत आत्मा बन चुके हैं। वहां से निकलकर मैंने दूसरा घर बनाया है।

चंद्रकुमार ने बताया कि पीएम आवास के लिए भी गांव के सरपंच, सचिव को आवेदन किया था, लेकिन उन्हें अब तक वह नहीं मिला है। महतारी वंदना योजना के 1000 रुपये भी पत्नी को नहीं मिल रहे हैं। किसी भी योजना का लाभ नहीं मिलने से आक्रोशित चंद्र कुमार का कहना है कि सारी योजनाएं शहर और अमीरों के लिए होती हैं। गरीबों तक योजना नहीं पहुंचती।

संक्षिप्त समाचार

श्रीमंत ने रचा कीर्तिमान, एशिया पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बेटे और भारत के नंबर

वन पैरा-एथलीट श्रीमंत झा ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने उज्बेकिस्तान में आयोजित एशिया पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। इस उपलब्धि से उन्होंने प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर प्रदेश के मुखिया सीएम विष्णुदेव साय ने ट्वीट कर लिखा कि छत्तीसगढ़ के बेटे और भारत के नंबर वन पैरा-एथलीट श्रीमंत झा ने उज्बेकिस्तान में आयोजित एशिया पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम कर समूचे प्रदेशवासियों को गौरवान्वित किया है। इस बड़ी उपलब्धि के लिए श्रीमंत को बहुत-बहुत बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

वैवाहिक वर्षगांठ पर साय ने मुख्यमंत्री निवास में की सपत्नीक पूजा-अर्चना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को अपने विवाह के 33वीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री निवास में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद लिया। साय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि- वैवाहिक वर्षगांठ के शुभ अवसर पर सोमवार को मुख्यमंत्री निवास में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर इष्टदेव से आशीर्वाद लिया।

राज्यपाल से छत्तीसगढ़ योग शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में छत्तीसगढ़ योग शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा । प्रतिनिधिमंडल में संघ के राज्य अध्यक्ष श्री अनिल चंद्राकर सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

राज्यपाल हरिचंदन से शिक्षा सलाहकार डॉ. मिश्रा ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में शिक्षा सलाहकार (राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को ओड़िशा के साहित्य एवं संस्कृति पर आधारित स्व लिखित पुस्तकें भेंट की।

25 से अधिक मालवाहकों पर 93,400 का लगाया जा चुका है जुर्माना

रायपुर । कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के

निर्देश एवं आरटीओ श्री आशीष देवांगन के मार्गदर्शन से ज़िले भर में चलाया जा रहा है सघन जाँच अभियान। रायपुर आरटीओ द्वारा माल वाहनों में यात्रियों का परिवहन करने वाले वाहनों पर लगातार कार्यवाही की जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि 21 मई से प्रारंभ हुए सघन जाँच अभियान में आज दिनांक तक पच्चीस से अधिक वाहनों पर कार्यवाही की जा चुकी है, जिसमे पिकअप, मेटाडोर,मैजिक तथा ट्रक शामिल है, इनमें यात्रियों का परिवहन किया जा रहा था। इन सभी पर कार्यवाही की गई जिसमें समन शुल्क एवं जब्ती की कार्यवाही की गई है। गौरतलब है कि माल वाहनों से यात्री परिवहन गैरक़ानूनी है। ज़िले के कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने इस विषय पर गंभीरता दिखाते हुए यातायात विभाग को निर्देशित कर यातायात नियमों के पालन में मुस्तैदी लाने को कहा है। मालवाहकों को मालवाहन से यात्री परिवहन नहीं करने की समझाईश भी दी जा रही है। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश में आगे भी यह कार्यवाही जारी रहेगी।

हटकेश्वर नाथ वालीबाल संघ दे रहा है 32 बच्चों को प्रशिक्षण

रायपुर। जिला प्रशासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न खेलों के लिए 22 मई से 11 जून तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में श्री हटकेश्वर नाथ वालीबाल संघ महादेव घाट रायपुर द्वारा वॉलीबॉल का प्रशिक्षण राष्ट्रीय रेफरी दुर्गा प्रसाद पटनायक एवं कोच द्वारा 32 बच्चों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। वैसे तो हटकेश्वर नाथ बालीवाल संघ के सौजन्य से 1 अप्रैल से निरंतर प्रशिक्षण जारी है। छत्तीसगढ़ खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार निशुल्क योजना के अंतर्गत पुनः पंजीयन कराकर वॉलीबॉल प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। रमाकांत निषाद सचिव द्वारा बताया गया कि अभी तक 37 बच्चों को पंजीयन फॉर्म का वितरण किया गया है जिसमें से 32 बच्चों का फॉर्म जमा हो चुका है। वर्तमान में इस वॉलीबॉल के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 32 बच्चें आ रहे हैं। बच्चों का यहां आना निरंतर जारी है शेष बच्चों द्वारा शीघ्र ही फॉर्म जमा करने की जानकारी दी गई।

पद्म श्री पुरस्कार लौटाएंगे हेमचंद मांझी

कहा- नक्सलियों से मिल रहीं हैं धमकियां

रायपुर। पारंपरिक चिकित्सक वैद्यराज हेमचंद मांझी ने अपना पद्म श्री पुरस्कार लौटाने का एलान किया है। उनका कहना है कि नक्सलियों की लगातार मिल रही धमकियों की वजह से वह इस पुरस्कार लौटाएंगे।

पुलिस का कहना है कि नक्सलियों ने रविवार रात नारायणपुर जिले के चमेली और गौरदंड गांवों में दो निर्माणाधीन मोबाइल टावरों में आग लगा दी। इसके साथ ही नक्सलियों ने वहां मांझी को धमकी देने वाले बैनर लगाए। इसके अलावा वहां कुछ पर्चे भी फेंके गए, जिसमें हेमचंद मांझी की पद्म श्री सम्मान लेते हुए तस्वीर छपी थी। नक्सलियों ने आरोप लगाया है कि मांझी ने नारायणपुर के छोटेडोंगर इलाके में आमदई घाटी लौह अयस्क परियोजना को शुरू करने में मदद की और इसके लिए रिश्वत भी ली। नक्सलियों द्वारा इससे पहले भी माझी पर इस तरह के आरोप लगाकर धमकी दी गई थी। उधर वैद्यराज मांझी ने खुद पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

2023 में हुई थी वैद्यराज की भतीजी की हुई थी हत्या

वैद्यराज ने कहा कि अपने परिवार से बात करने के बाद उन्होंने पद्म श्री सम्मान लौटाने का फैसला लिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह अपना पारंपरिक चिकित्सा का काम भी छोड़ देंगे। मांझी ने कहा 'मैं पद्म श्री पुरस्कार लौटा दूंगा। इससे पहले नक्सलियों ने मेरी भतीजी कोमल मांझी पर झूठे आरोप लगाकर उसकी हत्या कर दी थी। मैं और मेरा परिवार डर के साये में जी रहे हैं।' 9 दिसंबर 2023 को छत्तीसगढ़ के छोटेडोंगर में कोमल मांझी

की हत्या की गई थी। फिलहाल स्थानीय पुलिस द्वारा वैद्यराज के परिवार को सुरक्षा प्रदान की गई है।

हेमचंद मांझी पांच दशकों से ज्यादा समय से बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के ग्रामीणों को प्राकृतिक और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रह हैं। अबूझमाड़ के प्रख्यात वैद्यराज हेमचंद मांझी को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

मुख्यमंत्री साय भी कर चुके हैं सम्मान

नारायणपुर के छोटे डोंगर में जन्मे हेमचंद मांझी उस समय से लोगों का इलाज कर रहे हैं, जब उस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं थी। अपने ज्ञान और सेवाभाव की बदौलत से उन्होंने लोगों का इलाज शुरू किया और पिछले पांच दशकों से मरीजों का उपचार कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सहित आसपास के राज्यों और विदेशों में रहने वाले पीड़ित मरीज भी छोटे डोंगर पहुंचकर इलाज कराते हैं। जब हेमचंद मांझी को पद्म श्री पुरस्कार की घोषणा हुई थी, तब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने निवास में आमंत्रित कर उनका सम्मान किया था।

हेमचंद माझी को वाय श्रेणी की सुरक्षा गृह विभाग द्वारा आदेश जारी

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्री हेमचंद माझी को वाय श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। इस संबंध में गृह विभाग मंत्रालय महानदी भवन से आदेश जारी किए जा चुके हैं। गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा प्रोटेक्शन रिव्यू गुप की बैठक में श्री हेमचंद माझी (नारायणपुर) को सुरक्षा श्रेणी प्रदान किए जाने की अनुशंसा और प्रदेश में वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए, यह आदेश जारी किया गया है।

विकसित छत्तीसगढ़ निर्माण के विजन पर काम कर रही है राज्य सरकार : साव

बेमेतरा घटना पर राजनीति कर रही है कांग्रेस

रायपुर। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने विकसित छत्तीसगढ़ निर्माण के विजन को लेकर चर्चा की। साथ ही बेमेतरा की घटना पर कांग्रेस द्वारा राजनीति करने पर दुख जताया। उन्होंने कहा की, ये समय राजनीति का नहीं है। अपने निवास में वे आज मीडिया से रूबरू थे।

उपमुख्यमंत्री साव ने कहा किप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 का विजन देश के सामने रखा है। इसी तरह छत्तीसगढ़ सरकार की आगामी योजनाओं को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने पर चर्चा हुई है। श्री साव ने कहा कि सरकार छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर विकसित राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी के विजन के अनुरूप हमारी सरकार प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने की तैयारी कर रही है।

उपमुख्यमंत्री ने बेमेतरा बारूद फैक्ट्री की घटना पर कहा कि, सरकार शुरू से इस घटना को लेकर गंभीर है। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। सेना की विशेषज्ञ टीम से मदद ले रहे हैं। लेकिन कांग्रेस इस पर राजनीति कर रही है। कल कांग्रेस का जांच दल घटना स्थल पर गया था। इस दौरान प्रशासन ने उनका पूरा सहयोग किया। साव ने बताया कि, मामले की मजिस्ट्रियल जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नक्सलियों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई पर कांग्रेस द्वारा सवाल उठाए जाने पर श्री साव ने कहा कि, इन्होंने पांच साल नक्सलियों को पाला पोसा है, अब जब कार्रवाई हो रही है तो इनके पेट में दर्द हो रहा है। सवाल कर ये जनता में भ्रम फैला रहे हैं, जिसे जनता जान चुकी है। इसलिए आज कांग्रेस की स्थिति दयनीय हो गई है।

निजी स्कूलों की कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक ड्रापआउट छात्रों को लेकर जताई चिंता

■ **कहा-बच्चे से पूछा जाएगा की क्यों छोड़ी पढ़ाई**

रायपुर। ड्रॉपआउट छात्रों को लेकर कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में निजी स्कूलों के संचालकों की समीक्षा बैठक मेडिकल कॉलेज हाल में हुई। बता दें कि प्रदेश में 900 प्राइवेट स्कूल में 2 लाख 80 हजार विद्यार्थी है। इनमें ऋक्षश्व के लगभग 1 एक लाख 50 हजार विद्यार्थी ड्रॉपआउट है। लल्लूराम डॉट कॉम ने इस मुद्दे को मुहिम बनाकर प्रकाशित किया था, जिसके बाद शिक्षा विभाग जागा।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर गौरव सिंह ने कहा कि आरटीई लागू करने का मकसद समझना होगा। आज की बैठक के बाद हर उस बच्चे के पास हमारी टीम जाएगी और बच्चे से पूछा जाएगा की उसने पढ़ाई क्यों छोड़ी है। ड्रापआउट छात्रों के परिवारों से मिलकर इसका कारण जानने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम में से कुछ लोग नियम कानून में गड़बड़ी करते

हैं। इस तरह के लोगों की पहचान करने की जरूरत है। बच्चे बार बार पढ़ाई क्यों छोड़ रहे हैं ऐसे स्कूल की समीक्षा होगी। पांच-पांच स्कूल की समाक्षी होगी हम अपनी तैयारी कर रहे हैं। जरूरत पड़ी तो बच्चे को परिवार को सामने खड़ा करेंगे। क्या बच्चा इलीट व्यवस्था में नहीं चल पाया।

बैठक में कलेक्टर ने निजी स्कूलों से पूछा, किसने कहा था की स्कूल बंद कर दिए जाएंगे। आप लोगों की वजह से व्यवस्था पर सवाल उठाया गया? अखबारों और मीडिया में बहुत कुछ छापा गया। यदि आपके कारण व्यवस्था को नुक़सान होता है तो पूरे सिस्टम पर सवाल उठेगा। ऐसे में हर स्तर में कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि एक मछली पूरे तालाब को गंदा करती है। ड्रापआउट का हिसाब तो लूंगा ही आप अच्छे मक़सद के साथ सुझाव भी दीजिए।

कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा मेरे प्राथमिकता का विषयों में से एक है। हम आरटीई के सफल बच्चे की कहानी समाज के सामने लाएंगे। जिस स्कूल बीच में पढ़ाई छोड़ रहे उस स्कूल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बता दें कि ड्रापआउट छात्रों को लेकर शिक्षा सचिव ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों और डीईओ को दस दिन के अंदर 5 साल की रिपोर्ट मांगी है।

सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट से झटका, बच्चों की परवरिश के आधार पर मांगी थी जमानत

बिलासपुर। सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट से अंतरिम राहत नहीं मिली है। जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा है। सौम्या चौरसिया ने बच्चों की परवरिश के आधार पर जमानत मांगी है।

मामले में अब 10 जून के बाद अगली सुनवाई होगी। कोयला घोटाला और मनी लॉड्रिंग केस में जेल में बंद हैं सौम्या चौरसिया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपसचिव रही हैं।

कोयला घोटाला और मनी लॉड्रिंग केस में जेल में बंद सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। सौम्या की जमानत अर्जी पर हाईकोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा है। सौम्या चौरसिया ने बच्चों की परवरिश के आधार पर जमानत की मांग की है, अब मामले की सुनवाई 10 जून के बाद होगी सुनवाई।

जानकारी के मुताबिक पूर्व की कांग्रेस सरकार में करोड़ों के कोयला घोटाला मामले में सौम्या चौरसिया को मनी लॉड्रिंग के केस में ईडी ने दो दिसंबर 2022 को

गिरफ्तार किया था। जिसके बाद से सौम्या चौरसिया रायपुर के सेंट्रल जेल बंद हैं। इससे पहले कोयला घोटाला और मनी लॉड्रिंग केस में सुप्रीम कोर्ट ने सौम्या की जमानत याचिका खारिज कर दी थी और कोर्ट ने गलत तथ्य पेश करने पर एक लाख का जुर्माना भी लगाया था।

कुछ दिन पहले ही ईडी की विशेष अदालत में जमानत अर्जी खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। सौम्या चौरसिया को अपने बच्चों की परवरिश के आधार पर जमानत की मांग की गई है। मामले की सुनवाई जस्टिस एन के व्यास की बेंच में हुई।

रेमल चक्रवाती तूफान से कई इलाकों में भारी बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज कई इलाकों में बादल छाए रहेंगे। लेकिन गर्मी से राहत फिलहाल नहीं मिलेगी। मौसम विभाग ने कई इलाकों के लिए लू का अलर्ट जारी किया है। 28 मई के बाद से गर्म हवाओं और लू से कुछ राहत मिल सकती है। रायपुर मौसम केंद्र के मुताबिक अगले 3 दिनों में छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा। उसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के तरफ से रेमल तूफान को लेकर पल पल की अपडेट की जा रही है। सोमवार सुबह 7 बजे के लगभग मौसम विभाग के अपडेट के अनुसार गंभीर चक्रवाती तूफान रेमल बांग्लादेश और आसपास के पश्चिम बंगाल तटों को सागर द्वीप और खेपुपारा के बीच मोंगला के दक्षिण-पश्चिम को पार कर चुका है। रेमल तूफान आगे उत्तर और उत्तर

पूर्व की ओर बढ़ेगा और अगले 3 घंटों के दौरान धीरे धीरे कमजोर होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है।

रेमल तूफान के बांग्लादेश से टकराने के बाद कोलकाता और तटीय इलाकों में भारी बारिश हुई। अभी भी कोलकाता में भारी बारिश जारी है। इलाकों में आंधी तूफान से पेड़ उखड़ गए। रविवार रात पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटों पर पड़ोसी देश के मोंगला के दक्षिण-पश्चिम में सागर द्वीप और खेपुपारा के बीच भूस्खलन हुआ। कई इलाकों में मिट्टी के घर टूट गए। कुछ जगहों पर बिजली के खंबे उखड़ गए।

करबला तालाब का बड़ा हिस्सा पट गया और पता ही नहीं निगम को..?

■ **भाजपा पार्षदों ने जब्त करवायी निर्माण सामग्री, चेतावनी भी दी**

रायपुर। रायपुर नगर निगम के अंतर्गत कितना बड़ा भी गोलमाल हो जाए वो कम ही है,ताजा मामला ये है कि चौबे कॉलोनी स्वामी आत्मानंद सरोवर (करबलातालाब) को सौंदर्यीकरण के नाम पर तालाब के एक ओर के पाथवे को बन्द कर तालाब को पाटे जाने की शिकायत मिलने पर भाजपा पार्षद दल नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे के नेतृत्व में आज 12 बजे स्पाट पर पहुँच कर जोन आयुक्त और स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को मौके पर ही बुलाया।

आम जनता के लिए बनाए गए वाकिंग पाथवे को बन्द कर उसमें पड़ी निर्माण सामग्री को दिखाते हुए पूछा गया कि क्या इस निर्माण की जानकारी आपको है या नही इस पर अधिकारियों ने अनभिज्ञता जाहिर की तब भाजपा पार्षद दल ने अवैध निर्माण की

सामग्री लोहे के छड़, सीमेंट इत्यादि की जब्ती कराते हुए कहा कि हम तालाब की एक इंच भी जमीन पटने नही देंगे। श्रीमती चौबे के साथ वरिष्ठ पार्षद मृत्युंजय दुबे,अमर बंसल,दीपक जायसवाल,सरिता आकाश दुबे व अन्य पार्षद शामिल थे।

मीनल चौबे ने कहा कि बहुत ही आश्चर्यजनक बात है कि अवैध निर्माण कब्जा करने के लिहाज से हो रहा है और जोन कमिश्नर से लेकर अधिकारी-कर्मचारी कहते हैं कि उन्हे नहीं मालूम,तो आखिर किनके संरक्षण में काम हो रहा है। कोई भी बिल्डर,एजेंसी या रसूकदार क्यों न हों अवैध काम तो होने नहीं देंगे। कार्रवाई होकर रहेगी क्योंकि अब राज्य में भाजपा की सरकार है। पूर्ववर्ती सरकार के संरक्षण में इस प्रकार के काम पिछले पांच सालों में चले हैं,अभी तो महज चेतावनी है आगे यदि फिर से काम हुआ तो पुलिस कार्रवाई होगी,जितने कब्जाधारी निर्माण है सबको हटाया जायेगा। आम लोगों को कोई असुविधा नहीं होगी और तालाब को पूरी तरह यथावत सर्रक्षित रखा जायेगा।

संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी के मुख्यालय जिलों में होगी डाक मतपत्रों की गणना

रायपुर। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के तहत मतगणना 4 जून 2024 को होगी। मतगणना के दौरान ईवीएम में दर्ज वोटों के साथ ही डाक मतपत्रों की भी गणना की जाएगी। डाक मतपत्रों की गणना 11 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के संबंधित रिटर्निंग अधिकारी के मुख्यालय जिलों में ही सम्पन्न होगी। इसके लिए सभी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में अन्य संबंधित जिलों से डाक मतपत्रों का परिवहन रिटर्निंग अधिकारी के मुख्यालय जिलों में पूर्ण कर लिया गया है।

छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि प्रदेश में 25 मई की स्थिति में कुल 41 हजार 877 डाक मतपत्र प्राप्त हो चुके हैं। इनमें निर्वाचन ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों-अधिकारियों के सुविधा केन्द्रों से अंतिम रूप से प्राप्त कुल 26 हजार 936 डाक मतपत्र, होम वोटिंग के अंतर्गत 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं से प्राप्त कुल 2 हजार 761 और दिव्यांगजनों के कुल 1 हजार 453 डाक मतपत्र तथा अनिवार्य सेवा श्रेणी के 779 डाक मतपत्र भी शामिल हैं।

इनके साथ ही सेवा मतदाताओं को जारी किए गए ईटीपीबी डाक के माध्यम से प्रत्येक दिवस प्राप्त हो रहे हैं और 25 मई की स्थिति में कुल 9 हजार 948 ईटीपीबी

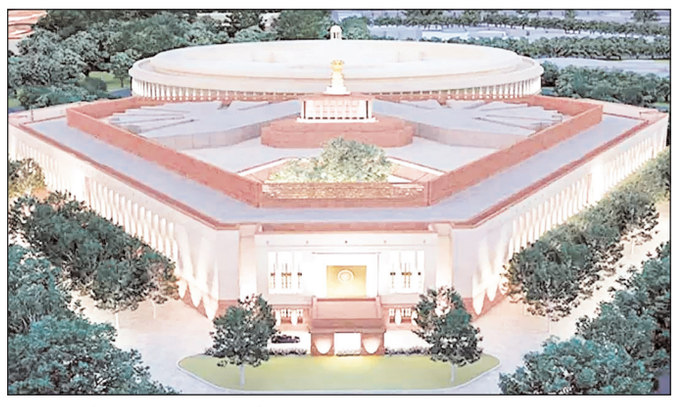

प्राप्त हो चुके हैं। डाक विभाग के माध्यम से ईटीपीबी की प्राप्ति मतगणना दिवस 4 जून को मतगणना प्रारम्भ होने के पूर्व तक की जाएगी। इस हेतु मतगणना स्थल में डाक विभाग के प्रतिनिधि की ओर से प्रातः 8 बजे के पूर्व तक प्राप्त सभी ईटीपीबी डिलीवर किए जाएंगे। मतगणना स्थल में प्रवेश के लिए डाक विभाग के प्रतिनिधि को आईडी कार्ड/पास जारी किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि डाक मतपत्रों की गणना 11 रिटर्निंग अधिकारियों के मुख्यालय जिलों में 4 जून को प्रातः 8 बजे से प्रारम्भ हो जाएगी। इसके लिए आवश्यक व्यवस्था एवं तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। डाक मतपत्रों को जिला मुख्यालयों में ट्रेज़री स्थित स्ट्रांग-रूम में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ रखा गया है। मतगणना दिवस को इन मतपेटियों का परिवहन प्रातः 6 बजे निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पूर्ण सुरक्षा के साथ काउंटिंग सेण्टर में किया जाएगा। इन 11 जिलों में डाक मतपत्रों की मतगणना 8 बजे प्रारम्भ होने के आधे घंटे बाद अर्थात साढ़े 8 बजे से ईवीएम के मतों की गणना प्रारम्भ की जाएगी। इन 11 मुख्यालय जिलों को छोड़कर शेष 22 जिलों में 8 बजे से ही ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारम्भ कर दी जाएगी।

11 संसदीय क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों के मुख्यालय जिलों में डाक मतपत्रों की गणना के लिए पृथक से काउंटिंग हॉल तैयार किए गए हैं, जिसमें एक टेबल में अधिकतम 500 डाक मतपत्रों की गणना की जाएगी। काउंटिंग हेतु प्रत्येक टेबल के लिए एक-एक अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी अधिसूचित किए गए हैं। डाक मतपत्रों की गणना हेतु प्रत्येक टेबल में एक एएआरओ के साथ एक मतगणना पर्यवेक्षक, दो मतगणना सहायकों एवं एक माइक्रो आब्जर्वर की भी नियुक्ति की जाएगी।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्राप्त डाक मतपत्रों की जानकारी प्रत्येक दिवस सभी निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को जिला स्तर पर प्रदान की जा रही है। लोकसभा आम निर्वाचन में प्रथम चरण के मतदान अंतर्गत बस्तर लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न श्रेणी के मतदाताओं से कुल 3 हजार 264 डाक मतपत्र प्राप्त हुए हैं। वहीं द्वितीय चरण के मतदान अंतर्गत राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर लोकसभा क्षेत्रों से क्रमशः 1 हजार 568, 4 हजार 242 और 6 हजार 326 डाक मतपत्र अब तक प्राप्त हुए हैं। प्रदेश में तृतीय चरण में मतदान अंतर्गत सरगुजा लोकसभा क्षेत्र से 2 हजार 440 डाक मतपत्र, रायगढ़ से 3 हजार 585, जांजगीर-चांपा से 5 हजार 682, कोरबा से 2 हजार 789, बिलासपुर से 3 हजार 607, दुर्ग से 3 हजार 525 और रायपुर लोकसभा क्षेत्र से 4 हजार 849 डाक मतपत्र प्राप्त हुए हैं।

केरल-तमिलनाडु में कम मतदान का नुकसान विपक्ष को

अजय सेतिया

भाजपा विरोधी मीडिया और विपक्षी दलों में अटकल लगाई जा रही है कि वोटिंग घटने से भारतीय जनता पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा और वह सत्ता से बाहर भी हो सकती है। हालांकि ऐसा कोई तय फार्मूला नहीं है कि वोटिंग घटने से सत्ताधारी पार्टी को हमेशा नुकसान ही उठाना पड़ता है। हर बार कुछ नए वोटरों के जुड़ने से हर जगह असर अलग अलग हो सकता है, और वोटिंग घटने के बावजूद सत्ताधारी दल पहले से भी ज्यादा बहुमत से जीत सकता है। दिल्ली का उदाहरण हमारे सामने है, जहां 2019 में 2014 के मुकाबले कम वोटिंग हुई थी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी सातों सीटें 2014 के मुकाबले ज्यादा मार्जिन से जीती थी। पहले चरण में 3.82, दूसरे चरण में 2.72 और तीसरे चरण में 1.21 प्रतिशत कम वोटिंग से ऐसा लग रहा था कि वोटिंग ढाई प्रतिशत तक गिर सकती है, लेकिन चौथे और पांचवें चरण में वोटिंग प्रतिशत में मामूली सुधार के बाद उम्मीद बनी थी कि आखिर में वोटिंग की गिरावट एक प्रतिशत पर आ जाएगी। लेकिन छठे चरण में भी 63.36 प्रतिशत वोटिंग के बावजूद 0.86 की गिरावट दर्ज की गई। जिससे संकेत मिलता है कि 2019 के मुकाबले आखिरकार डेढ़ से पौने दो प्रतिशत गिरावट होगी। अब तक 486 सीटों पर हुई हुई वोटिंग में 2019 के मुकाबले सिर्फ पौने दो प्रतिशत की गिरावट रिकार्ड की गई है। 2019 में 67.7 प्रतिशत वोटिंग हुई थी, तो इस बार छठे चरण तक 65.9 प्रतिशत वोटिंग रिकार्ड की गई है। लेकिन यह भी उल्लेखनीय है कि 2019 के मुकाबले 2.38 करोड़ ज्यादा वोटरों ने वोटिंग में हिस्सा लिया है। छठे चरण की वोटिंग तक 2019 में 55,27,34,806 वोटरों ने मतदान किया था, जबकि इस बार 57,65,36,217 वोटरों ने मतदान किया। उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव में जीत हार में सबसे ज्यादा मायने रखता है। विपक्ष की तरफ से दावा किया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा कम से कम तीस सीटों पर कड़े मुकाबले में फंस गई है, इसलिए जो भाजपा यह सोच रही थी कि उत्तर प्रदेश में वह कम से कम 71 सीटें हासिल करेगी और उसके तीनों सहयोगी भी अपनी सभी पांच सीटों पर जीत हासिल करेंगे, उसे 2019 का आंकडा बचाना भारी पड़ रहा है। 2019 में भाजपा ने 62 सीटें हासिल की थी, जबकि उसके सहयोगी अपना दल ने दो सीटों पर जीत हासिल की थी। जिन 67 सीटों पर चुनाव हो चुका है, उन सीटों पर 2019 में 59 प्रतिशत वोटिंग हुई थी, जबकि इस बार 57.13 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई है। इसके बावजूद 2019 के मुकाबले दस लाख वोट ज्यादा पड़े हैं। उत्तर प्रदेश के अलावा बाकी राज्यों में भी इसी तरह का रूख देखा गया है, वोटिंग भले ही एक दो प्रतिशत कम हुई हो, लेकिन वोट ज्यादा पड़े हैं। लेकिन तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है, जहां वोट प्रतिशत भी गिरा है और वोटिंग भी घटी है, और यह गिरावट अच्छी खासी है। 2019 में 72.40 प्रतिशत वोटिंग हुई थी और 4.34 करोड़ वोटरों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था, जबकि इस बार 70.89 प्रतिशत वोटिंग और 4.07 करोड़ वोटरों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। यानि तमिलनाडु में पिछली बार के मुकाबले 27 लाख कम वोटरों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इसी तरह 2019 में केरल में 77.84 प्रतिशत वोटिंग रिकार्ड की गई थी, इस बार 71.27 प्रतिशत ही वोटिंग हुई। राहुल गांधी की सीट वायनाड पर तो 11 प्रतिशत वोटिंग कम हुई। इसलिए जिन लोगों का आकलन है कि वोटिंग घटने से सत्ताधारी पार्टी को नुकसान होता है, तो फिर तमिलनाडु और केरल में वोटिंग घटने से किसे नुकसान होगा। इन दोनों राज्यों में भाजपा की एक भी सीट नहीं थी और दोनों ही राज्यों में वोटिंग काफी कम हुई है। इन दोनों राज्यों की 58 लोकसभा सीटों में से 55 सीटें पिछली बार द्रमुक, वामपंथियों और कांग्रेस के पास थीं। ये तीनों ही पार्टियां इस समय इंडी एलायंस का हिस्सा है। अगर वोटिंग कम होने से सत्ता पक्ष को ही नुकसान होता है, तो इसका मतलब है कि भाजपा और उसके सहयोगी दल इन दोनों ही राज्यों में ज्यादा नहीं तो 10-15 प्रतिशत सीटें हासिल कर सकते हैं, जो छह से लेकर नौ तक सीटें हो सकती हैं। दक्षिण के पांच राज्यों की 131 सीटों में भाजपा पिछली बार सिर्फ 29 सीटें जीती थी, कर्नाटक में 25 और तेलंगाना में चार। जबकि कांग्रेस 2। सीटें जीती थी, केरल में 15, तमिलनाडू में 8, तेलंगाना में तीन और कर्नाटक में एक। भाजपा का दावा है कि इन पाँचों राज्यों में उसकी सीटों की संख्या 35 से ज्यादा होंगी।

फिर खिला कमल तो हाथ के हालात.....

अनिल तिवारी

लोकसभा चुनाव के लिए छह चरणों में 486 सीटों के लिए मतदान हो चुका है। भाजपानीत एनडीए गठबंधन 400 से अधिक सीटें जीतने का दावा कर रहा है वहीं कांग्रेस की अगुवाई वाला इंडिया गठबंधन 300 से अधिक सीटों पर बाजी मारने का भरोसा जता रहा है।

हालांकि अभी अंतिम चरण के लिए 1 जून को 57 सीटों पर मतदान होना है, इसे लेकर दोनों तरफ बेचैनी भी है, आशंका भी है, लेकिन दावा-प्रतिदावा करने में बड़े मियां तो बड़े मियां, छोटे मियां सुभान अल्लाह। दिलचस्प पहलू यह है कि हर बीतते चरण के साथ दोनों पक्ष एक दूसरे की सीटें कम होने का दावा कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी कमल के कुम्हलाने की बात कर रही है, तो भाजपा का कहना है कि हाथ के हालात अभी बदलने वाले नहीं हैं।

आंकड़ों के आईने में देखें तो लोकसभा की 543 सीटों में से पिछली बार समाजवादी पार्टी के खाते में सिर्फ 5 सीटें आई थीं। अबकी बार ताल ठोक कर पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि गठबंधन उत्तर प्रदेश की 80 में से 79 सीटों पर जीत हासिल करेगा। इसी तरह अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की लोकसभा में सिर्फ एक सीट है लेकिन वह भी मौजूदा चुनाव में अधिकांश सीटों पर जीत की ताल ठोक रहे हैं।

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के पास अभी 22 सीटें है लेकिन उनका दावा है कि इस बार 32 से 35 सीट जीतेंगे। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल पिछले चुनाव में शून्य पर पहुंच गया था, अब दावा कर रहा है कि बिहार की सभी सीटों पर गठबंधन का कब्जा होगा। कांग्रेस की मात्र 52 सीट हैं लेकिन कांग्रेस के नेताओं का दावा है कि उनके पक्ष में अंडर करंट चल रहा है और कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार को जड़ मूल से उखाड़ फेंकेगी।

इन सबके बरअक्स भाजपा का ग्राफ देखें तो पिछली बार भाजपा ने 303 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अबकी बार भाजपा ने 370 सीट तथा एनडीए गठबंधन को 400 के पार पहुंचाने का दावा किया है। 303 में अगर 67 सीट जोड़ दें तो 370 बन जाता है। इसी तरह एनडीए गठबंधन के 353 में मात्र 47 सीट जोड़ दें तो 400 का आंकड़ा प्राप्त हो जाता है।

विपक्षी दल के कई नेता यह मानते हैं कि उत्तर प्रदेश में अगर जनवरी फरवरी में चुनाव हुआ होता तो भाजपा सभी 80 सीट प्राप्त कर सकती थी। क्योंकि तब राम मंदिर का मुद्दा सामने था। मार्च आते-आते यह आंकड़ा 60 और 20 का हो गया। अप्रैल के शुरू में जो संभावना जताई जा रही थी वह महीने के अंत में और घट गई। अब मई के अंत तक दोनों दलों के बीच सीटों का अनुपात 50:30 पर आकर टिक गया है।

अगर ऐसा है तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि विपक्ष के लिए आंधी जैसी स्थिति है लेकिन जमीन पर ऐसा नहीं दिखता है। पूर्वांचल की अधिकतर सीटों पर आमने-सामने का नजदीकी मुकाबला है। पिछले विधानसभा चुनाव में सपा ने 300 सीट जीतने का दावा किया था लेकिन 111 सीटों पर ही उनकी पार्टी सिमट कर रह गई थी।

वहीं दूसरी तरफ उत्तर भारत में इंडिया ब्लॉक का सटीक टिकट वितरण, रैलियों में उमड़ रहे जन समर्थन, सामाजिक समीकरण के अनुसार बड़े वोट बैंक से विपक्ष 300 से अधिक सीटों का भरोसा जता रहा है।

इस बार के चुनाव में ना ना करते हुए भी कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद, आप, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना सहित तटीय प्रदेशों के क्षेत्रीय दलों की एकजुटता का जमीन पर असर दिख रहा है। रोजगार, महंगाई, पेपर लीक सरकारी नियुक्तियों में लगातार कटौती, अग्नि वीर जैसी योजनाओं को लेकर विपक्षी दल सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं और सत्ता पक्ष इन मुद्दों पर बगले झांकता हुआ नजर आ रहा है।

तीन लोकसभा क्षेत्र से विपक्षी नेताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से दूर रखने का कुत्सित प्रयास भी सत्तारूढ गठबंधन की लोकतांत्रिक नियत की कलई खोल रहा है। रही सही कसर चुनावी बांड ने पूरी कर दी, जिससे अब जनता के मन में विपक्ष के प्रति थोड़ा-थोड़ा भरोसा उगने लगा है। इंडिया ब्लॉक के घटक दलों द्वारा बार-बार सामाजिक एवं आर्थिक न्याय की बात करना भी जनता को आकर्षित कर रहा है। यूपी बिहार में जातीय गणना दक्षिण में महिलाओं के लिए मासिक आय योजना से जनता का रुझान इनके पक्ष में बढ़ा है।

भाजपा के कुछ नेताओं का पूर्व में यह कहना कि 400 से अधिक सीटें आती हैं तो संविधान को बदलने की दिशा में काम किया जाएगा अब उन पर भारी पड़ता हुआ दिख रहा है। हालांकि प्रधानमंत्री सहित सभी जिम्मेदार नेता इस पर लगातार सफाई जनता के बीच दे रहे हैं लेकिन विपक्ष बहुत नीचे तक यह बात समझाने में सफल हुआ है कि सरकार बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान और उसके जरिए मिले आरक्षण रूपी अधिकार को खत्म करने की कोशिश में है।

पिछले दो चुनाव की बात करें तो 2014 में कांग्रेस को 44 सीट मिली थी तो 19 में उसे 52 सीट हासिल हुई। पिछले चुनाव में उसकी 8 सीटें बढ़ी, लेकिन उसके लिए चिंतित होने वाली बात यह थी कि दूसरे स्थान पर रहने वाले कांग्रेस के प्रत्याशियों की संख्या 2019 में 2014 के मुकाबले काफी घट गई। कांग्रेस कई क्षेत्रों में तीसरे या सबसे निचले पायदान तक पहुंच गई। केरल के अलावा किसी भी राज्य में कांग्रेस पार्टी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सकी। तो क्या ऐसे आसार दिखते हैं कि मौजूदा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की तीन अंको वाली जीत होने जा रही है?

इसका उत्तर तो 4 जून को मतगणना के बाद ही मिल पाएगा। क्योंकि पार्टी ने गठबंधन बनाने के लिए योजना तो बनाई लेकिन जिस तरह उसे कार्य रूप देना था उसमें वह पीछे रह गई। नीतीश कुमार ने पाला बदल लिया। ममता बनर्जी छोड़कर किनारे खड़ी हो गई। अरविंद केजरीवाल ने मतलबी आधा अधूरा गठजोड़ किया।

भारत में मतदाता बहुत जागरुक है। मतदाताओं की नजर उम्मीदवारों और खासकर बड़े नेताओं की हर गतिविधि पर रहती है। कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री के बार-बार कपड़े बदलने को लेकर तंज कसती रही है। लेकिन भारत के लोगों को कांग्रेस के नेता राहुल गांधी का टीशर्ट पहनकर पूरे देश में घूमना बहुत अच्छा नहीं लगा। अपने-अपने तरह के कुतर्कों से कांग्रेस के शुभेच्छु इसे ढकने की कोशिश भी करते रहे लेकिन जो खुला सच है वह कैसे छिपेगा?

हालांकि कांग्रेस पार्टी ने अपने प्रचार अभियान को पिछले चुनाव की तुलना में थोड़ा सघन किया है। देश के मौजू सवालों को समस्या के रूप में उभारकर उसके समाधान के लिए हाथ बदलेगा हालात जैसा नारा भी गढ़ा है। दक्षिण के अलावा कांग्रेस पार्टी को हरियाणा और राजस्थान में भी पहले से अच्छा रिस्पांस मिला है। उत्तर प्रदेश में सपा, बिहार में राजद, झारखंड में झामुमो महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे शरद पवार के भरोसे उम्मीद बढ़ी है।

लेकिन लाख टके का सवाल यह है कि इतना होने के बावजूद भी अगर कांग्रेस पार्टी अपनी जीत तीन अंको तक नहीं ले जा पाती तो उसके लिए मुश्किल और बढ़ती जाएगी। कांग्रेस को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में बनाए रखने का संकट और गहराएगा। पिछले 10 वर्षों में सत्ता से बाहर रहने के कारण पार्टी के अधिकांश नेता पहले ही साथ छोड़ कर दूसरे दलों में चले गए हैं। अगर पार्टी कुछ खास नहीं करती है तो बचे खुचे भी शायद ही बचें।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगचूडामणि उपनिषद् (भाग-13)

गतांक से आगे...

योग का अभ्यास करने के लिए बद्ध प?द्मासन लगाकर चन्द्र नाड़ी (बायें स्वर) के द्वारा वायु को भीतर खींचे-पूरक करे, पुन: कुछ समय भीतर रोके कुम्भक करे, फिर सूर्य नाड़ी (दायें स्वर) के द्वारा रेचन करे अर्थात् बाहर निकाले।

प्राणायाम के समय अमृत समुद्र से निकले हुए गो-दुग्ध के समान श्वेत वर्ण के चन्द्रबिम्ब का ध्यान करने से साधक सुखी होता है। पुन: हृदयकमल में स्थित प्रज्वलित ज्वालासदृश भगवान् सूर्य के ध्यान के साथ प्राणायाम करना योगी के लिए सुखदायी होता है।

प्राणायाम में सर्वप्रथम इड़ा नाड़ी अर्थात् बायें स्वर से श्वास खींचे (पूरक करे)। पुन: पिंगला नाड़ी अर्थात् दायें स्वर से श्वास का रेचन करे (पुन: इसके विपरीत करे)। इस प्रकार प्राणायाम करते समय चन्द्र और सूर्य दोनों का पूर्व वर्णित तरीके से ध्यान का अभ्यास करने पर मात्र दो महीने में नाड़ीशोधन हो जाता है। नाड़ीशोधन प्राणायाम करने से नाड़ी शुद्ध होने पर वायु को यथेष्ट धारण करने की क्षमता प्राप्त हो जाती है तथा आरोग्य के लाभ के साथ जठराग्नि प्रबल हो जाती है और दिव्यनाद सुनाई पड़ने लगता है। प्राणायाम में कुंभक की स्थिति में जब तक वायु भीतर रुकी रहे, तब तक अपान वायु को भी रोके रखे। इस प्रकार हृदयाकाश में एक श्वास की मात्रा ऊपर और नीचे गमनशील होती है। प्राणायाम की पूरक, कुम्भक और रेचक ये तीनों क्रियाएँ साक्षात् प्रणव का ही रूप हैं (इस चिन्तन के साथ) द्वादश मात्रायुक्त प्राणायाम करना चाहिए। सूर्य और चन्द्र का यह द्वादश मात्रा वाला प्राणायाम साधक के सभी दोषों को समाप्त कर देता है। पूरक में द्वादश मात्रा, कुम्भक में षोडश मात्रा और रेचक में दस मात्रा के प्राणायाम को ओंकार प्राणायाम कहा जाता है ।

क्रमश: ...

सावरकर स्वतंत्रता आन्दोलन के महायोद्धा एवं क्रांतिवीर थे

ललित गर्ग

विनायक दामोदर सावरकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रिम पंक्ति के सेनानी, महान् क्रांतिकारी, हिन्दूवादी, इतिहासकार, समाज सुधारक, विचारक, चिंतक, साहित्यकार एवं प्रखर राष्ट्रवादी नेता थे। वे विश्वभर के क्रांतिकारियों में अद्वितीय थे। उनका नाम ही भारतीय क्रांतिकारियों के लिए उनका संदेश था। उनकी पुस्तकें क्रांतिकारियों के लिए गीता के समान थीं। उनका जीवन बहुआयामी था। वीर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को नासिक के भगूर गांव में हुआ। सावरकर इस संसार के एकमात्र ऐसे रचनाकार हैं जिनकी पुस्तक '1857 का स्वातंत्र्य समर' को अंग्रेजों ने प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित कर दिया था। यह वह पुस्तक है जिसके माध्यम से सावरकर ने सिद्ध कर दिया था कि 1857 की जिस क्रांति को अंग्रेज मात्र एक सिपाही विद्रोह मानते हैं, जबकि वही भारत का 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' था। सावरकरजी ऐसे पहले भारतीय थे जिन्होंने वकालत की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी।

लेकिन उन्होंने अंग्रेज सरकार की वफादारी की शपथ लेने से इन्कार कर दिया था, जिसके कारण उन्हें वकालत की उपाधि प्रदान नहीं की गयी। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे पहले महानायक थे, जिन्होंने जन-जन में क्रांति का शंखनाद किया।

वीर सावरकर ऐसे महान् भारतीय क्रांतिवीर हैं जिन्हें अंग्रेज-सरकार ने क्रांति के अपराध में एक ही जीवन में दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी थी। 1911 में उन्हें कालेपानी यानि अंडमान भेज दिया गया। वहां उनके बड़े भाई गणेश सावरकर भी बंद थे। जेल में सावरकर पर घोर अत्याचार किए गए जो कि एक क्रूर इतिहास बन गया। कोल्हू में जुतकर तेल निकालना, नारियल कूटना, कोड़ों की मार, भूखे- प्यासे रखना आदि। सावरकर जी ने जेल में दी गई यातनाओं का वर्णन अपनी पुस्तक मेरा आजीवन कारावास में किया है। दो बार की काले पानी की कठोर सजा के दौरान उन्हें छ: महीने तक अंधेरी कोठरी में रखा गया। एक-एक महीने के लिए तीन बार एकांतवास की सजा सुनाई गयी। सात-सात दिन तक दो बार हथकड़ियां पहनाकर दीवारों के साथ लटकाया गया। इतना ही नहीं सावरकर को चार महीनों तक जंजीरों से बांध कर रखा गया। इतनी कठोर यातनाएं सहने के बाद भी सावरकर ने अंग्रेजों के सामने झुकना स्वीकार नहीं किया। जबकि तब से हमारे देश के कुछ बुद्धिजीवी, कुछ राजनीतिक दल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी एवं वामपंथी उनके कृतित्व एवं आजादी के लिये प्रदत्त बलिदानों को भूलकर उन पर अंग्रेज़ों से माफ़ी मांगने का आरोप लगाते हुए उनके अविस्मरणीय बलिदानों को धुंधलाने की कोशिशें की जा रही है। सावरकर को गाली देने वाले इस बात को समझ लें कि भारत की आजादी में उनका कद अगर महात्मा गांधी से ज्यादा नहीं तो कम भी नहीं है।

उन्होंने अनेक विपरीत एवं संघर्षपूर्ण स्थितियों के बीच एक भारत और मजबूत भारत की कल्पना की थी, जिसे साकार करने का संकल्प आज हर भारतीय के मन में है।

मुस्लिम समस्याओं के खतरनाक उपचार की कोशिश में विपक्ष

बलबीर पुंज

लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुस्लिम आरक्षण की सांविधानिक वैधता पर जो आशंका व्यक्त कर रहे हैं, उस पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मुहर लगा दी। 22 मई को अदालत ने पश्चिम बंगाल में वर्ष 2010 के बाद मुस्लिमों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण के तहत जारी प्रमाणपत्रों को असांविधानिक बताकर रद्द कर दिया। यह पहली बार नहीं है, जब किसी राजनीतिक दल ने स्थापित आरक्षण व्यवस्था में डाका डालकर सभी मुसलमानों को गरीब-वंचित बताकर अवैध आरक्षण देने का प्रयास किया है। आखिर बार-बार ऐसी कोशिशें क्यों हो रही हैं?

इसका उत्तर न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायाधीश राजशेखर मंथा की खंडपीठ द्वारा व्यक्त टिप्पणी में मिल जाता है। उनके अनुसार, %मुसलमानों के कुछ वर्गों को 'राजनीतिक उद्देश्यों के लिए' ओबीसी आरक्षण दिया गया। जिन मुस्लिम वर्गों को आरक्षण दिया गया, उन्हें राज्य की सत्तारूढ़ व्यवस्था ने एक वस्तु और 'वोटबैंक' के रूप में इस्तेमाल किया। यह संविधान और लोकतंत्र का अपमान है।% इस निर्णय को प्रदेश की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने मानने से इन्कार कर दिया है। आखिर इसका कारण क्या है? पश्चिम बंगाल की वर्तमान आबादी 10 करोड़ से अधिक है, जिसमें सात करोड़ हिंदू और 2.7 करोड़ मुसलमान हैं। लोकनीति-सीएसडीएस के अनुसार, 2021 के विधानसभा चुनाव में 75 प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं ने तृणमूल के पक्ष में मतदान किया था, जो 2016 में 51 प्रतिशत था।

यहां की 42 लोकसभा सीटों में से 13 में मुस्लिम आबादी 32-64 प्रतिशत तक है, जबकि 20 सीटों पर हिंदुओं की आबादी 35-50 प्रतिशत है। विभाजन के बाद पश्चिम बंगाल में मुसलमानों की

आबादी तेजी से बढ़ रही है। 1951 की जनगणना में प्रदेश की कुल जनसंख्या 2.63 करोड़ थी, जिसमें मुस्लिम 50 लाख, यानी 19 प्रतिशत थे। वर्ष 2011 की जनगणना में उनकी आबादी बढ़कर ढाई करोड़ से अधिक, यानी 27 प्रतिशत हो गई। वर्तमान आंकड़ा वर्ष 1941 में संयुक्त बंगाल की मुस्लिम आबादी—29.5 प्रतिशत के काफी निकट है। यहां अविभाजित बंगाल में वर्ष 1946 के प्रांतीय चुनाव का स्मरण करना आवश्यक है, क्योंकि तब इस क्षेत्र के 95 प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं ने मुस्लिम लीग को वोट देकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। तब केवल बंगाल ही नहीं, देश के तत्कालीन प्रांतों (असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, बॉम्बे, पंजाब, ओडिशा, मद्रास सहित), जो आज खंडित भारत का हिस्सा है, वहां भी 80 से 100 प्रतिशत मुस्लिमों ने मुस्लिम लीग का साथ दिया था। इस पूरे प्रपंच में वामपंथियों और ब्रितानियों की बड़ी भूमिका रही थी।

भारत के विभाजन का आधार तथाकथित सामाजिक-आर्थिक शोषण नहीं, अपितु सर सैयद अहमद खां द्वारा प्रदत्त और 'काफिर-कुफ्र' अवधारणा से प्रेरित 'दो राष्ट्र सिद्धांत' था। इसमें मजहबी कारणों से हिंदुओं के साथ मुस्लिमों के 'सह-अस्तित्व' को असंभव और अकल्पनीय बताया गया था। दिलचस्प है कि जो मुस्लिम नेता इसका समर्थन करते थे, उनमें से कई विभाजन के बाद कभी देश छोड़कर ही नहीं गए और कांग्रेस में शामिल होकर एकाएक 'सेक्यूलर' बन गए। इन्हीं में से 28 मुस्लिम नेता भारतीय संविधान सभा के सदस्य भी बन गए। इसी मुस्लिम समूह की ओर से जब खंडित भारत में मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल की मांग हुई, तब सरदार पटेल ने 28 अगस्त, 1947 को कहा था, %यदि वही ढंग फिर अपनाया गया, जो देश विभाजन के लिए अपनाया गया था, तो मैं यह कहूंगा... उनके लिए यहां कोई जगह नहीं।% मुस्लिम वोटबैंक के लिए स्वघोषित सेक्यूलर दलों द्वारा कट्टरपंथी मुसलमानों को तुष्ट करना कितना घातक है, यह गांधीजी द्वारा खिलाफत आंदोलन का समर्थन किए जाने से स्पष्ट है। तब मजहबी कारणों से अधिकांश मुसलमान स्वतंत्रता आंदोलन से कटे हुए थे। उन्हें ब्रितानियों के खिलाफ एकजुट करने हेतु गांधीजी ने उस घोर मजहबी और कट्टरपंथी खिलाफत आंदोलन का नेतृत्व किया, जिसका भारतीय मुस्लिमों से कोई संबंध नहीं था। गांधीजी की सोच थी कि इससे राष्ट्रीय एकता और स्वराज्य को बल मिलेगा। परंतु मुस्लिम कट्टरपंथियों ने इसे भारत में इस्लामी वर्चस्व की पुनर्वापसी का उपक्रम बना लिया। अंततोगत्वा, पाकिस्तान का जन्म हुआ।

क्या स्वतंत्रता के बाद खंडित भारत में इस मजहबी तुष्टीकरण पर लगाम लगी? नहीं। जब सामाजिक सुधार हेतु 1955-56 में हिंदू कोड बिल लाया गया, तब मुस्लिम समुदाय को उनकी मजहबी मान्यताओं (हलाला-तीन तलाक सहित) के साथ छोड़ दिया गया। जब 1985-86 में सर्वोच्च न्यायालय ने शाहबानो मामले में मुस्लिम महिलाओं को मध्यकालीन मानसिकता से बाहर निकालने वाला फैसला सुनाया, तब कट्टरपंथियों के हिंसक प्रदर्शन और 'इस्लाम खतरे में है' के उद्घोष के आगे नतमस्तक होते हुए तत्कालीन राजीव सरकार ने संसद में बहुमत के बल पर अदालत का निर्णय पलट दिया। वर्ष 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने बड़ी चतुराई से राष्ट्रीय संसाधनों पर मुसलमानों का पहला हक बता दिया। तब देश में होने वाले आतंकवादी हमलों के बीच इस्लामी कट्टरता को परोक्ष स्वीकृति देने या न्यायोचित ठहराने हेतु फर्जी-मिथक 'हिंदू/भगवा आतंकवाद' को स्थापित करने और हिंदू-विरोधी 'सांप्रदायिक विधेयक' को पारित करने का भी विफल प्रयास हुआ था। इसी विभाजनकारी उपक्रम का अगला लक्ष्य सांप्रदायिक आधार पर मुस्लिम आरक्षण/कोटा/सब-कोटा देना है।

यह ठीक है कि मुस्लिम समुदाय में आज भी बहुसंख्यक हिंदुओं के साथ शेष अल्पसंख्यकों (सिख, ईसाई, पारसी आदि) की तुलना में शिक्षा और गरीबी की समस्या अधिक है। परंतु इसका समाधान उनके समाज के भीतर ही है। मुस्लिम समूह के बड़े हिस्सा का राष्ट्रीय चेतना, सह-अस्तित्व और आधुनिकता से सरोकार सीमित है। इसका बड़ा कारण मदरसा शिक्षण पद्धति है, जिसमें 'इको-सिस्टम' इस्लाम और संबंधित पहचान से ओतप्रोत रहता है। इसलिए मदरसों में अधिकांश पढ़ने-पढ़ाने वालों का दृष्टिकोण, विचार, पहचान और सपने शेष समाज से भिन्न होते हैं। मुस्लिम समाज में व्याप्त अशिक्षा और गरीबी के रोग से किसी को इन्कार नहीं। परंतु इस दिशा में ममता बनर्जी, राहुल गांधी और लालू यादव जिस प्रकार का उपचार कर रहे हैं या करना चाहते हैं, वह दूसरी विकराल बीमारियों को ही पैदा करेगा।

आज का इतिहास

1889 आंद्रे मिशेलिन और एडुअर्ड ने मिशेलिन टायर कंपनी को एक में मिलाया।
1892 सैन फ्रांसिस्को में जॉन मुइर सिएरा क्लब व्यवस्थित किया गया।
1923 अमेरिकी बेरोजगारी लगभग समाप्त हो गई।
1936 अंग्रेजी गणितज्ञ एलन ट्यूरिंग ने ट्यूरिंग मशीन, एक मूल अमूर्त प्रतीक-जोड़-तोड़ उपकरण पेश किया जो किसी भी कंप्यूटर एल्गोरिथ्म के तर्क का अनुकरण कर सकता है।
1937 नेविले चेम्बरलिन के उदय का समापन हुआ, जब वह %चुंबन हाथ% के लिए बकिंघम पैलेस के लिए बुलाया और यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री पद को स्वीकार किया गया था।
1940 द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान बेल्जियम ने जर्मनी से हार मानी।
1940 द्वितीय विश्व युद्ध- उसी दिन जब बेल्जियम ने गेरमेनी को आत्मसमर्पण कर दिया, मित्र देशों की सेना ने नार्वे, नॉर्वे पर फिर से कब्जा कर लिया।
1952 यूनान में महिलाओं को मताधिकार मिला।
1959 अमेरिका ने दो बंदरों को अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक भेजा।
1960 सेल बायोलॉजी के लिए अमेरिकन सोसायटी का आयोजन किया गया।
1961 मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल की स्थापना हुई।
1963 बंगाल की खाड़ी में आये चक्रवाती तूफान से करीब 22 हजार लोगों की मौत।
1971 सोवियत रूस ने मंगल ग्रह पर उतरने वाले पहले अंतरिक्ष यान मार्स-3 का प्रक्षेपण किया।
1975 सोलह पश्चिम अफ्रीकी देशों ने लागोस की संधि पर हस्ताक्षर किए, पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय को प्रोत्साहन आर्थिक एकीकरण की स्थापना की।
1977 अमेरिका के केंटकी के साउथगेट में बेवर्ली हिल्स सपर क्लब में आग लगने से 165 संरक्षक मारे गए।
1987 वेस्ट जर्मन एविएटर माथियास रस्ट ने अपने सेसना 172 से उड़ान भरी, माना जाता है कि यह सोवियत वायु रक्षा प्रणाली के माध्यम से उड़ान भरता है और मास्को के रेडस्करे में उतरा है।
1998 पाकिस्तान ने पहला परमाणु परिक्षण किया।
2003 उनके आचरण की आलोचना के परिणामस्वरूप, पीटर हॉलिंगवर्थ ने ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर-जनरल के रूप में अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

कोलकाता हाईकोर्ट का फैसला तब आया जब चिड़िया चुग गई खेत

अजय सेतिया

लोकसभा चुनावों के मध्य कोलकाता हाईकोर्ट के दो फैसलों ने ममता बनर्जी और उनकी सरकार को गहरे संकट में डाल दिया। पहले हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग की उन सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया, जिन्हें कथित तौर पर रिश्वत लेकर भर्ती किया गया था। केन्द्रीय एजेंसियों की छापेमारी में रिश्वत के करोड़ों रूपए का कैश पकड़ा गया था। ममता बनर्जी को अपने मंत्री पार्थ चटर्जी को बर्खास्त करना पड़ा, जिनके वक्त नियुक्तियां हुई थीं और जिनके करीबियों के घरों से करोड़ों रूपए की बरामदगी हुई थी। शिक्षक नियुक्ति घोटाले में खुद मुख्यमंत्री का भतीजा और सांसद अभिषेक बनर्जी भी कटघरे में है। इसके अलावा भी तृणमूल कांग्रेस के कई नेता-कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं। लेकिन सुप्रीमकोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करके उन शिक्षकों की नौकरी बचा ली, जिन्होंने रिश्वत देकर और योग्य उम्मीदवारों का हक मार कर ये नौकरियां हासिल की थीं।

हाईकोर्ट ने एक अच्छा फैसला किया था, यह फैसला अगर बरकरार रहता तो रिश्वत देकर नौकरियां हासिल करने वालों में डर का वातावरण बनता कि उन्हें कभी भी नौकरी से निकाला जा सकता है। नतीजतन भ्रष्टाचार पर नकेल लगती, लेकिन सुपीमकोर्ट के फैसला पलटने से भ्रष्टाचार को प्रोत्साहन मिलेगा कि एक बार रिश्वत देकर नौकरी मिल गई, तो फिर कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। सुप्रीमकोर्ट के उस फैसले ने भ्रष्टाचार को बढावा देने का काम किया है।

अब कोलकाता हाईकोर्ट ने एक और एतिहासिक फैसला दिया है, जब उसने चोर दरवाजे से अल्पसंख्यकों को सरकारी नौकरी देने का रास्ता बंद करने की कोशिश की है। जो काम कांग्रेस की कर्नाटक सरकार ने अभी कुछ महीने पहले किया है कि सभी मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल करके हिन्दुओं की ओबीसी जातियों को मिलने वाले आरक्षण में सेंधमारी की है, उसे ममता बनर्जी ने 2011 में सत्ता में आने के बाद से शुरू कर दिया था।

22 जनवरी को कोलकात्ता हाईकोर्ट ने अपने एतिहासिक फैसले में 2010 के बाद ।। वर्गों को जारी किए गए सभी ओबीसी प्रमाणपत्रों को रद्द कर दिया। जिस तरह नौकरियां रद्द होने पर सुप्रीमकोर्ट में जाने से पहले ही ममता बनर्जी ने हाईकोर्ट का फैसला मानने से इंकार कर दिया था, उसी तरह इस फैसले को भी मानने से इंकार कर दिया है। ममता बनर्जी ने कहा है कि उन सभी मुस्लिम जातियों को ओबीसी का प्रमाणपत्र दिया जाना जारी रहेगा, जिन्हें उनकी सरकार ने ओबीसी में शामिल किया है।

ममता बनर्जी ने हाईकोर्ट के फैसले को भारतीय जनता पार्टी का फैसला बताया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी चुनावों में मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल करके हिन्दू ओबीसी के आरक्षण कोटे में सेंधमारी का मुद्दा उठाती रही है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही नहीं भाजपा के देश भर के हर नेता ने इस फैसले को इंडी एलायंस के मुस्लिम तुष्टिकरण का प्रमाण बताकर हमलावर रूख अपनाया है।

लोकसभा चुनावों में आरक्षण एक बड़ा मुद्दा बना ही हुआ था। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल वोटरों को यह कह कर डरा रहे हैं कि मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन गए तो वह संविधान बदल देंगे, और एससी, एसटी, ओबीसी का आरक्षण खत्म कर देंगे। इसके जवाब में मोदी ने गारंटी दी है कि वह तो क्या कोई भी आरक्षण खत्म नहीं कर सकता, लेकिन कांग्रेस सत्ता में आई तो वह हिंदुओं के ओबीसी वर्ग को मिलने वाले आरक्षण का सारा कोटा मुसलमानों को देगी। जिसके प्रमाण के तौर पर भाजपा ने कर्नाटक का उदाहरण भी दिया है, जहां सारी मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल कर लिया गया है।

चुनावों के दौरान ही लालू यादव ने यह कर इंडी

एलायंस के इरादों की पुष्टि की थी कि सभी मुसलमानों को आरक्षण मिलना चाहिए। हाल ही में भाजपा ने राहुल गांधी के 2011 के एक भाषण का वीडियो भी जारी किया है, जिसमें वह सारे मुसलमानों को आरक्षण की बात कह रहे थे। लेकिन इन सबसे ऊपर कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले ने भाजपा को बड़ा हथियार थमा दिया है, कि इंडी एलायंस के दल जहां जहां सत्ता में हैं, वहां वहां वे हिंदुओं के ओबीसी वर्ग का आरक्षण मुसलमानों को दे रहे हैं।

लेकिन ममता सरकार के मुसलमानों को ओबीसी में शामिल किए जाने के खिलाफ यह फैसला तब आया है जब चिड़िया चुग गई खेत, यानी जब देश की 428 सीटों पर चुनाव हो चुका है, और सिर्फ 115 सीटें बची हैं। लेकिन भाजपा बाकी बची 115 लोकसभा सीटों पर इस फैसले को ज्यादा से ज्यादा भुनाने में जुट गई है। हालांकि बंगाल में तो सिर्फ 17 सीटें ही बची हैं, 25 सीटों पर तो चुनाव हो चुका है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने सारे सिस्टम को दरकिनार करके जिन 42 वर्गों को ओबीसी वर्ग में रखा, उनमें से 41 वर्ग मुस्लिम समुदाय के हैं। यह वास्तविक सामाजिक और आर्थिक आधार देखने के बजाए वोट बैंक को सामने रख कर किया गया फैसला था। ममता बनर्जी सरकार ने 2012 से लेकर 2023 तक करीब पांच लाख प्रमाण पत्र बांटे हैं। अब उनमें से कितने सरकारी नौकरी में हैं, यह आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। लेकिन हाईकोर्ट ने उन लोगों को छूट दे दी है, जो इन प्रमाणपत्रों के आधार पर नौकरी पा चुके हैं।

अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार के पिछड़ा वर्ग आयोग पर ऊंगली उठाई है, जिसने आरक्षण को लागू करते समय संविधान के अनुच्छेद 16(4) में निर्धारित सिद्धांतों का पालन करने के बजाए टीएमसी के राजनीतिक वादों को पूरा करने के लिए अनुचित जल्दबाजी में काम किया और आरक्षण प्रणाली की अखंडता से समझौता किया।

ममता बनर्जी ने खुद की ओर से नियुक्त आयोग से मुस्लिम तुष्टिकरण का यह एक बहुत बड़ा खेल करवाया था। मुस्लिम तृणमूल कांग्रेस का मुख्य वोट बैंक हैं। तृणमूल कांग्रेस के मुस्लिम नेता बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध रूप से भारत में आने वाले मुसलमानों को बसाने और उनका भारतीय नागरिकता के फर्जी दस्तावेज बनाने के काम में लगे रहते हैं। भारत सरकार ने जब रोहिंग्या मुसलमानों की शिनाख्त शुरू की थी, तो उसका सबसे ज्यादा विरोध पश्चिम बंगाल में ही हुआ था।

इस फैसले से उठने वाले बुनियादी सवालों में से एक यह है कि हिंदू जाति-आधारित आरक्षण को मुस्लिम समुदायों तक क्यों बढ़ाया जाना चाहिए, जबकि मुस्लिम इस बात का दावा करते हैं कि उनके यहाँ जाति व्यवस्था है ही नहीं। भारतीय संविधान के मुताबिक़ आरक्षण सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए बनाया गया था। संविधान सभा ने धार्मिक आधार पर आरक्षण की मांग को बहस के बाद ठुकरा दिया था, लेकिन संविधान लागू होने के सत्तर साल बाद आरक्षण राजनीतिक तुष्टिकरण का एक हथियार बन गया है।

टीएमसी सरकार ने 2012 में क़ानून बना कर मुस्लिमों को ओबीसी आरक्षण में दावा करने की छूट देकर उनका तुष्टिकरण किया, अपना वोट बैंक पक्का किया, जबकि हिंदुओं के खिलाफ हथियार बना लिया। कायदे से देखा जाए तो कोलकाता हाईकोर्ट का फैसला उन सभी राजनीतिक दलों के लिए चेतावनी है, जो संविधान की आरक्षण व्यवस्था को अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए तहस नहस करने में लगे हुए हैं। सुप्रीमकोर्ट पहले भी कई बार विभिन्न सरकारों की ओर से दिए गए मुस्लिम कोटे को रद्द कर चुका है, अब देखना है कि कोलकातता हाईकोर्ट का फैसला जब सुप्रीमकोर्ट में पहुंचता है तो सुप्रीमकोर्ट का क्या रूख रहता है।

बंगाल में क्यों चर्चा के केंद्र में है लक्ष्मीर भंडार योजना?

अंकित सिंह

जैसे-जैसे पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव अपने आखिरी चरण में पहुंच रहे हैं, भाजपा और टीएमसी में वार-पलटवार का दौर और तीखा होता जा रहा है। इसी कड़ी में ममता बनर्जी सरकार की लक्ष्मीर भंडार योजना केंद्र में आ गई है। अपने प्रचार अभियान में, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से लेकर प्रमुख विपक्षी भाजपा तक- पार्टी लाइनों से ऊपर उठकर नेता इस योजना पर बहस कर रहे हैं। भाजपा भी कह रही है कि वह कोई भी प्रोजेक्ट नहीं रोकेगी। लक्ष्मी भंडार प्रोजेक्ट में महिलाओं को 100 रुपये बढ़ा देंगे। 2021 के बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले, टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने राज्य में उन महिलाओं की मदद के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) कार्यक्रम लागू करने का वादा किया था, जिन्होंने नोटबंदी के कारण अपनी बचत खो दी थी। उन्होंने फरवरी 2021 में, लक्ष्मीर भंडार योजना शुरू की। योजना के तहत, सामान्य वर्ग की महिलाओं को 500 रुपये की मासिक सहायता मिलती है, जबकि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग की महिलाओं को 1,000 रुपये प्रति माह मिलते हैं। इस योजना को बड़े पैमाने पर प्रतिक्रिया मिली है, बड़ी संख्या में महिलाओं को इसके लिए खुद को पंजीकृत करने के लिए दुआरे सरकार अभियान के दौरान कतार में खड़े देखा गया है। 60 वर्ष से कम आयु की सभी महिलाएं इस योजना के लिए पात्र हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य भर में इस योजना के 2.1 करोड़ से अधिक लाभार्थी हैं, जो इसे ममता सरकार का सबसे बड़ा वित्तीय सहायता कार्यक्रम बनाता है। लोकसभा चुनाव से पहले, टीएमसी सरकार ने अपने बजट में इस योजना के तहत सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए सहायता को 1,000 रुपये प्रति माह और एससी/एसटी महिलाओं के लिए 1,200 रुपये तक बढ़ा दिया था। हाल ही में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता ने आरोप लगाया कि अगर बीजेपी राज्य में सत्ता में आई तो इस योजना को बंद कर देगी। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें इस योजना को रोकने की चुनौती देती हूं। योजना के तहत लाभ महिलाओं का अधिकार है। महिलाओं की मदद के लिए ऐसा सिर्फ बंगाल ही कर सकता है। भाजपा ने विभिन्न योजनाओं के तहत बंगाल को मिलने वाली धनराशि रोक दी है और लोगों को उनके पैसे से वंचित करना चाहती है, जबकि हमारी सरकार लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। जवाब में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 14 मई को हावड़ा जिले के उलुबेरिया में एक रैली में कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो यह योजना जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि हम इस योजना को बंद नहीं करेंगे। वास्तव में, हम सहायता में 100 रुपये की बढ़ोतरी करेंगे। हम बंगाल के लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) सुवेंदु अधिकारी, जिन्हें ममता के कट्टर आलोचकों में से एक माना जाता है, ने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो सहायता को तीन गुना कर देगी।

पुरखों से लेकर डॉगी तक, राहुल का क्या है कनेक्शन?

विष्णु शर्मा

इंस्टाग्राम पर राहुल गांधी ने पिछले दिनों अपने डॉगी Yassa के साथ वीडियो शेयर किया है। जिस Yassa की तस्वीरें राहुल गांधी ने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, उसके नाम का अर्थ सीधे-सीधे मंगोल हमलावर चंगेज खान से जुड़ता है। मंगोल और तुर्की में इस शब्द का अर्थ है सैन्य फरमान। मंगोल आक्रांता चंगेज खान ने इस नाम से सीक्रेट सिविल कोड बनाए थे, बेटे को लागू करने की जिम्मेदारी दी थी और जो नहीं मानता था उसका कत्ल कर दिया जाता था। क्रूरता और आतंक से जुड़े इस नाम को राहुल गांधी ने अपने डॉगी के लिए क्यों चुना होगा, समझ से बाहर है।

ये उसी तरह है कि तैमूर के दिल्ली में नरसंहार के दिनों यानी 19-20 दिसम्बर में पैदा हुए बेटे को सैफ अली खान और करीना कपूर ने तैमूर नाम दे दिया था। राहुल गांधी के कुत्ते यासा से जुड़ी एक चौंकानेवाली बात यह भी है कि वह जिस जैक रसेल टैरियर ब्रांड का कुत्ता है, उस नस्ल का नाम जैक रसेल नामक एक ईसाई पादरी पर रखा गया था। बहरहाल, नेहरु-गांधी परिवार पर उनके पुरखों के जमाने से उन पर मुस्लिम समुदाय के प्रति झुकाव के आरोप लगते रहे हैं और इसके पीछे वाजिब वजहें भी हैं। नेहरू परिवार का सबसे पुराना ज्ञात चेहरा है राज कौल या राज नारायण कौल का। कश्मीर में फारसी और संस्कृत दोनों विषयों पर उनकी पकड़ के चलते विद्वानों में गिनती होती थी। ऐसे में 1716 में कश्मीर यात्रा के दौरान मुगल बादशाह फरूखशियर ने राज कौल को दिल्ली में बसने का न्यौता दिया। हालांकि ये बात बहुत अजीब लगती है कि अगले ढाई से तीन साल के अंदर सैयद बंधुओं ने फर्रुखशियर को मारकर दिल्ली की गद्दी कब्जा ली, उस दौरान फर्रुखशियर के करीबियों पर भी बिजली गिरी, लेकिन राज कौल दिल्ली में ही बने रहे। बीस साल बाद 1739 में नादिर शाह ने भी

दिल्ली में जमकर कत्ल ए आम मचाया, लेकिन तब भी कौल परिवार कश्मीर नहीं लौटा।

राज कौल के किसी बेटे के बारे में तो जानकारी नहीं मिलती, लेकिन दो नातियों के बारे में जरुर पता चलता है। एक थे मौसाराम कौल और दूसरे थे साहेब राम कौल। मौसाराम कौल के बेटे थे लक्ष्मी नारायण कौल जो दिल्ली के मुगल दरबार में ईस्ट इंडिया कम्पनी की तरफ से पहले वकील नियुक्त किए गए थे। इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई कि कैसे कौल परिवार ईस्ट इंडिया कम्पनी के इतने करीब पहुंच गया कि उन्होंने दिल्ली के मुगल दरबार में लक्ष्मी नारायण को अपना वकील नियुक्त कर दिया। लेकिन इस तरह दोनों तरह की संस्कृतियों का गहरा प्रभाव कौल परिवार पर पड़ने लगा था।

लक्ष्मीनारायण के बेटे गंगाधर नेहरु के बारे में नेहरू परिवार दावा करता है कि वह मुगल राज में दिल्ली शहर के कोतवाल थे। 1857 में जब प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों ने मेरठ से आकर दिल्ली पर धावा बोला तो गंगाधर जान बचाकर अपने परिवार के साथ भाग निकले और आगरा में शरण ली। अगले साल गंगाधर की मौत हो गई। हालांकि कई लोगों ने दावा किया है कि उस साल दिल्ली का कोतवाल गंगाधर नहीं बल्कि कोई गयासुद्दीन गाजी था।

बहरहाल, गंगाधर नेहरु के बेटे मोतीलाल के पहले शिक्षक बने काजी सदरुद्दीन। जिंदगी के शुरूआती 12 साल उन्हें हिंदी या अंग्रेजी से कोई लेना देना नहीं था, संस्कृत से तो बिलकुल नहीं। केवल फारसी या अरबी भाषाएं ही सीखते रहे। जाहिर है काजी की शिक्षाओं और सीख का शुरूआती असर पूरी जिंदगी पर छाया रहा। हालांकि नेहरूजी ने लिखा है कि जब मोतीलाल मरने को हुए तो अंतिम दिनों में वो गायत्री मंत्र का जाप करने लगे थे। हालांकि अंग्रेजियत का आलम ये था कि मोतीलाल के घर में अंग्रेजी बोलना तक अनिवार्य कर दिया गया था। बेटे जवाहर के लिए शुरू से ही अंग्रेजी शिक्षक घर पर पढ़ाने आता रहा।

प्रयागराज में संगम तट पर लगने वाले माघ मेले को लेकर मोतीलाल नेहरू ने लंदन में पढ़ रहे जवाहर को लिखा था कि, मुझे यह देखकर दुख होता है कि मेरे देश के लोग ऐसे मूर्खतापूर्ण कामों में व्यस्त रहते हैं। इंदिरा गांधी की जीवनीकार पुपुल जयकर ने लिखा है कि मोतीलाल नेहरु आखिरी समय तक नास्तिक रहे और पुजारियों और मंत्रोच्चार से घिन करते थे। इसी का असर जवाहर लाल नेहरू पर भी खूब पड़ा था।

आम भारतीयों में गांधीजी की लोकप्रियता बढ़ती देख मोतीलाल ने अचानक अंग्रेजियत कम कर सादगी अपना ली, खादी पहनना शुरू कर दिया, जबकि एक दौर था, उनके सूट लंदन का वो टेलर सिलता था, जिसके यहां अंग्रेजों में भी रईस लोगों के सूट्स सिलते थे। हालांकि हिंदू धर्म से नफरत करने वाले तथा ईसाइयों और मुस्लिमों के पक्षधर रहे मोतीलाल को अपनी बेटी स्वरूपरानी के अपने अखबार के मुस्लिम सम्पादक के अफेयर से समस्या हो गई, जिसके चलते उन्हें गांधीजी से कहकर उसे विदेश भिजवाना पड़ा। बेटी का नाम बदलना पड़ा।

केजरीवाल का कांग्रेस को दिल्ली में जिताने पंजाब में हराने की अपील

अभिनय आकाश

पंजाब की 13 लोकसभा सीटों पर चार कोनीय मुकाबला है। इस सूबे की लड़ाई इस बार इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि कभी एक दूसरे की दोस्त बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल आमने समाने है। इसी लोकसभा चुनाव में हरियाणा, दिल्ली, गुजरात में बीजेपी के खिलाफ एक साथ लड़ने वाली कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आमने सामने है। वैसे चुनाव तो बसपा भी पंजाब की सभी 13 सीटों पर लड़ रही है। लेकिन चर्चा में बीजेपी, कांग्रेस, आप और अकाली दल ही है। बीजेपी के नरेंद्र मोदी, कांग्रेस के राहुल गांधी, आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल और शिरोमणि अकाली दल के सुखबीर बादल ये पंजाब के चुनावी रण के चार बड़े चेहरे हैं। बीजेपी और अकाली दल सियासत के पुराने दोस्त लेकिन नए दुश्मन हैं। इससे ठीक उलट कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की बाकी राज्यों में दोस्ती तो पंजाब में दुश्मनी है।

इस बार पंजाब की सियासी लड़ाई अजब है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल कांग्रेस उम्मीदवारों को जिताने की अपील कर रहे हैं। वहीं पंजाब में हराने की। राहुल गांधी भी आप के उम्मीदवारों के पक्ष में वोट डालने की बात कह चुके हैं। लेकिन जब वो पंजाब में रैली करेंगे तो यकीनी तौर पर दिल्ली वाले दोस्त अरविंद केजरीवाल की पार्टी को हराने की अपील करेंगे।

पंजाब में आम आदमी पार्टी का चेहर अरविंद केजरीवाल ही थे। लेकिन इस बार मुख्यमंत्री भगवंत मान सूबे में पार्टी का सबसे बड़ा चेहरा हैं। ऐसे में 2024 का लोकसभा चुनाव उनका ही सबसे बड़ा इम्तिहान है। वो पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद अरविंद केजरीवाल भी अमृतसर में रोड शो कर चुके हैं। तब उन्होंने पंजाब के लोगों से सूबे की सभी 13 सीटें पार्टी के खाते में डालने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि खूब मेहनत करनी है और पंजाब की 13 की 13 लोकसभा सीटें देनी है।

पंजाब के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि केजरीवाल शराब के बहुत बड़े घोटाले में नामजद हैं और सिर्फ 15 दिनों के लिए जेल से बाहर आए हैं। ऐसे इंसान पर आप क्या विश्वास कर सकते हैं।

जालंधर से कांग्रेस पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार चन्नी ने कहा कि केजरीवाल का पंजाब में स्वागत नहीं किया जाना चाहिए। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि केजरीवाल शराब घोटाले में शामिल हैं और सिर्फ 15 दिनों से जेल से बाहर हैं, उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। दिल्ली में बड़ा शराब घोटाला हुआ और पंजाब में भी ऐसा ही हुआ। यहां कोई कार्रवाई नहीं की गई। हम इसकी जांच की मांग करते हैं। उनका स्वागत करने की बजाय उनका विरोध किया जाना चाहिए। उत्तर भारत में अपना डब्बा गोल करवाने वाली कांग्रेस के लिए पंजाब ही वो राज्य था जहां उसे आठ सीटें मिली थी। ये और बात है कि उस वक्त पार्टी का चेहरा कैप्टन अमरिंदर सिंह हुआ करते थे, जो आज की तारीख में बीजेपी के साथ हैं।

पटियाला से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रचार अभियान का आगाज कर दिया है। दूसरे दिन जालंधर और गुरादसपुर में भी मोदी नजर आएंगे। पंजाब में 1996 के बाद पहली बार बीजेपी अकेले चुनाव लड़ रही है। ऐसे में उसके पास खोने के लिए पिछले चुनाव में मिली केवल 2 सीटें हैं। पाने के लिए सभी 13 सीटें हैं। पटियाला की रैली में प्रधानमंत्री का आप और कांग्रेस पर तीखा प्रहार देखने को मिला। उन्होंने कहा कि पंजाब भी अच्छे से जानता है कि उसे अपना वोट देकर बेकार नहीं करना है। दिल्ली की कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी और सिख दंगे के दोषी पार्टी आमने सामने लड़ने का नाटक कर रहे हैं। लेकिन सच्चाई यही है कि पंजा और झांड़ू पार्टियां दो है, लेकिन दुकान एक ही है। दिल्ली में एक दूसरे को कंधे पर उठाकर नाच रहे हैं। बता दें कि पटियाला में इस बार बीजेपी ने कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी परनीत कौर को उम्मीदवार बनाया है। 2019 में वो कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर संसद पहुंची थी।

पटियाला से परनीत कौर के मुकाबले कांग्रेस से धर्मबीर गांधी, आप से बलबीर सिंह और अकाली दल से एनके शर्मा मैदान में हैं। लुधायान में कांग्रेस की तरफ से अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, बीजेपी से रवनीत सिंह बिट्टू, आप से अशोक पप्पी पराशर और अकाली दल से रणजीत सिंह मैदान में हैं। अमृतसर से कांग्रेस के मौजूदा सांसद गुरजीत सिंह औजला का मुकाबला आप के कुलदीप सिंह धालीवाल, बीजेपी के तरणजीत सिंह संधू, अकाली दल के अनिल जोशी से है। बठिंडा से अकाली दल ने हरसिमरत कौर को उम्मीदवार बनाया है। उनके खिलाफ खिलाफ बीजेपी ने पूर्व आईएएस परमपाल कौर, कांग्रेस ने जीतमोहिंदर सिंह और आप ने गुरमीत सिंह को उतारा है।

पिछले दो लोकसभा चुनाव में पंजाब के अंकगणित पर नजर डालें तो 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी और अकाली दल का गठबंधन था। बीजेपी को 3 सीटें मिली जिसमें उसने 9त्न वोट के साथ 2 सीटें जीती। अकली दल ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा और 26 त्न वोट लाकर 4 सीटें हासिल की। आम आदमी पार्टी को 13 सीटों में 24 प्रतिशत वोट के साथ 4 सीटें मिली। कांग्रेस के खाते में राज्य की 13 सीटों में 33 त्न वोट के साथ 3 सीट आई। 2019 में भी बीजेपी को शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन में 3 सीटें मिली। बीजेपी के वोट फीसदी में 1 प्रतिशक का इजाफा होकर 10 त्न हो गया लेकिन सीटों की संख्या 2 की 2 ही रही। अकाली दल ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा और 27 फीसदी वोट तो प्राप्त हुए लेकिन सीटें घटकर 2 हो गई। आप ने 13 सीटों पर चुनाव लड़ा और उसके वोट प्रतिशत में भारी गिरावट दर्ज की गई। 7 फीसदी वोट पाकर 1 सीट पर ही संतोष करना पड़ा। कांग्रेस को 13 सीटों में 40 प्रतिशत वोट के साथ 8 सीटें आईं।

एनडीए-फर्स्ट के दौरान, सिख समुदाय ने खुद को भगवा पार्टी से दूर करना शुरू कर दिया क्योंकि उन्हें बड़े बहुसंख्यकवादी खेमे में शामिल होने का डर था। फिर भी, वाजपेयी सरकार के दौरान और उसके बाद अकाली कभी भी भाजपा से अलग नहीं हुए। इसके बजाय, उन्होंने 2008 में एक सिख प्रधानमंत्री के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया। लेकिन वर्तमान अकाली, जिन्होंने स्वयं समुदाय का विश्वास खो दिया है।

जल-संकट चुनाव जीतने का नहीं समाधान का माध्यम बने

ललित गर्ग

देश के कई भागों में भीषण गर्मी पड़ रही है, जैसे-जैसे गर्मी प्रचंड होती जा रही है, जल संकट की खबरें भी डराने लगी है। राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक आदि प्रांतों में पानी के लिये त्राहि-त्राहि मची है। मध्यप्रदेश के छतरपुर ज़िले महर-खुवा गांव में जल-संकट की तस्वीरें भयावह एवं डराने वाली है। इस गांव में लगभग 100 आदिवासी परिवार रहते हैं, जिनके पास अब इतना भी पानी नहीं बचा है कि ये दिन में दो वक्त का खाना बना सकें और अपनी प्यास बुझा सकें। ऐसे हजारों गांव हैं, जहां पानी के अभाव में जीवन संकट में हैं। भारत अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। लोकसभा चुनाव अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है, आज हमारे उम्मीदवार मुफ्त बिजली और पानी देने का वादा करके चुनाव तो जीत जाते हैं लेकिन भारत में जिस तरह पानी का संकट गंभीर हो रहा है, उससे उनकी कथनी और करनी की असमानता ही बार-बार उजागर होती है। जल-संकट चरम पराकाष्ठा पर है, एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब पैसा देकर भी पानी खरीदना मुश्किल हो जाएगा। जल-संकट चुनाव जीतने एवं राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा तो है, लेकिन समाधान का नहीं। जल संकट ने राजनीतिक रंग तो ले लिया है, विभिन्न राजनीतिक दल एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहे हैं और पिस रहा आम आदमी। पैसे वालों के लिए पानी इतनी बड़ी समस्या नहीं है लेकिन जिन लोगों के पास पैसों की किल्लत है, वे पानी की किल्लत से भी जूझ रहे हैं क्योंकि टैंकर का पानी महंगा पड़ रहा है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से दो-चार है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। महर-खुवा गांव की ही तरह अलवर जिले के कई गांव में लोग किसी एक मौसम में नहीं, बल्कि 12 महीनें भीषण जल संकट का सामना कर रहें है। इन गांवो में पानी का स्त्रोत है ही नहीं। इन इलाकों में पानी की इतनी कमी है कि लोग उसे अपने घरों में टैंकर में छिपाकर और ताला लगाकर सुरक्षित रखने लगे हैं। भारत के गांवों में रहने वाले करीब 20 करोड़ परिवारों के घरों में नल नहीं है। इन परिवारों की औरतें पैदल चलकर, घंटों लाइन में लगकर पानी इकट्ठा करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए मोदी सरकार ने साल 2019 में हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की घोषणा की। सरकार का दावा है कि अब तक 10 करोड़ घरों में नल लग गए हैं। लेकिन अभी हजारों गांवों में जल-संकट एक बड़ी समस्या बनी हुई है। एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि बढ़ते जल-संकट के समाधान की दिशा में हमने क्या कदम उठाये। क्या पानी की फिजूल खर्ची को कम करने का कोई संकल्प लिया? गर्मी के आने पर हम हाय-हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा-रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले?

घर की नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है मोरपंख, होती है उन्नति

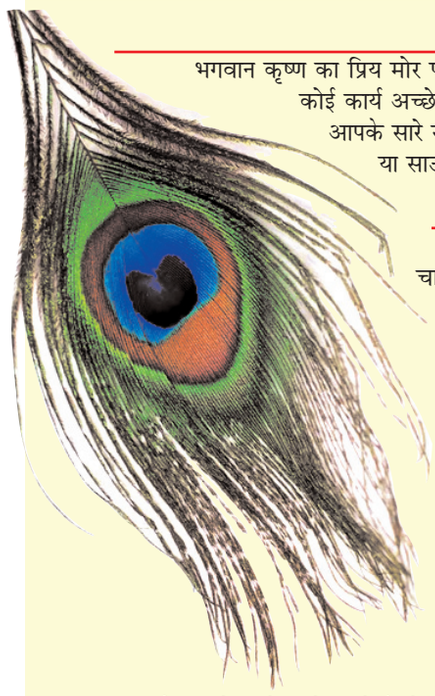

बन जाएगा बिगड़ा काम

भगवान कृष्ण का प्रिय मोर पंख सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। अगर आप किसी कार्य को बहुत समय से करने की कोशिश कर रहे हैं या आपने कोई कार्य अच्छे उद्देश्य से किया हो मगर उसमें आपको सफलता नहीं मिली हो तो आपको अपने पास मोर पंख रखना चाहिए। मोर पंख आपके सारे रुके हुए काम को पूरे कर देता है और आपको काम में सफलता भी मिलती है। इसके लिए आपको अपने बेडरूम में ईस्ट या साउथ ईस्ट दिशा में मोर पंख रखना चाहिए। इससे आपके सारे रुके काम पूरे होंगे और आपको अपार सफलता मिलेगी।

नहीं होगी पैसों की कमी

अगर आप आर्थिक समस्या से जूझ रही हैं तो आपको अपने ऑफिस या तिजोरी में साउथ-ईस्ट दिशा में मोर पंख रखना चाहिए। इससे आपको बहुत लाभ होगा। आपके पास कभी भी धन की कमी नहीं होगी और रूका धन भी आपको आसानी से प्राप्त होगा। इसके साथ ही आपको धन कमाने के नए साधनों का भी पता चलेगा।

शत्रु बन जाएंगे मित्र

मोर पंख बहुत ही प्रभावशाली होता है। इसमें से पॉजिटिव एर्नजी निकलती है और इसे अपने पास रखने से लोगों पर आपका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अगर आपका कोई शत्रु है तो आपको उसके नाम का एक मोर पंख सदैव अपने पास रखना चाहिए। इससे आपके और उसके मध्य के कटु संबंध सुधर जाएंगे।

वास्तु दोष होता है खत्म

अगर आपको अपने घर से वास्तु दोष खत्म करना है तो आपको अपने घर के मुख्य द्वार पर मोर पंख लगाना चाहिए। आपको घर के मुख्य द्वारा को हमेशा साफ रखना चाहिए और वहां गणेश जी की प्रतिमा के साथ मोर पंख भी रखना चाहिए। इससे आपके घर में भले वास्तु के हिसाब से चीजें न रखी हों मगर, ऐसा करने पर आपके घर से वास्तु दोष दूर हो जाएगा।

बच्चों का पढने़ में लगता है मन

अगर आपके घर में पढने़ वाले बच्चे हैं तो आपको उनके स्टडी रूम या पढ़ाई लिखाई का जहां सामान रखा है वहां पर मोर पंख जरूर रखना चाहिए। इससे बच्चों का पढने़ लिखने में मन लगता है। वह अपनी कक्षा में अव्वल रहते हैं और विषयों में उन्हें अच्छे अंक प्राप्त होते हैं। आप बच्चों की किताबों के बीच में भी रख सकती हैंइससे उनकी लिखावट भी प्रभावशाली होगी।

घर में वास्तु दोष हो तो हर काम में रुकावट आती है। इसकी वजह से घर के सदस्यों की तरक्की भी रुक जाती है। घर का वास्तु दोष दूर करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मोर पंख से जुड़े कुछ उपाय करने से घर का वास्तु दोष दूर होता है। नवग्रह दोष हों तो भी मोर पंख के ये उपाय करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। हिंदू धर्म में ज्योतिषशास्त्र और वास्तुशास्त्र को काफी महत्व दिया गया है। जहां वास्तुशास्त्र आपको सही दिशाओं के बारे में जानकारी देता है वहीं ज्योतिषशास्त्र भविष्य की घटनाओं साथ-साथ जीवन से जुड़े हर पहलू की स्थिति परिस्थिती के बारे में बताता है।

इन दोनों ही शास्त्रों में शुभ चित्र, चिन्ह और चीजों के बारे में भी बताया गया है जिन्हें धारण करने या अपने पास रखने भर से आपको कई लाभ मिल सकते हैं। इन्हीं शुभ चीजों में शामिल है भगवान श्री कृष्ण का मोर पंख। जी हां, मोर पंख को हिंदू धर्म में भगवान श्री कृष्ण से जोड़ कर देखा जाता है। इसलिए इसे काफी शुभ माना गया है। वैसे घर में मोर पंख रखने से कई लाभ होते हैं। मगर, इसे सही दिशा और स्थान पर रखा जाए तो ही आपको ये लाभ मिलेंगे।

पुराणों के अनुसार मोर पंख किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में मोर पंख बहुत प्रभावशाली माना जाता है।

मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोडक़र देखा जाता है. अगर घर के सदस्यों की तरक्की रुक गई है तो अपने घर में मोर पंख जरूर रखें। इसके शुभ प्रभाव से घर में धन का आगमन होने लगता है।

वैवाहिक जीवन में तनाव हो तो अपने बेडरूम में मोर पंख रखें। माना जाता है कि इससे पति-पत्नी के बीच के रिश्ते सुधरते हैं और उनके बीच प्यार बढ़ता है। मोर पंख रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

शत्रुओं से परेशान हों तो मोर पंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें। सुबह उठकर इस मोर पंख को चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं। इससे शत्रु कमजोर पड़ता है।

कुंडली में चंद्रमा की अशुभ दशा से मुक्ति पाने के लिए भी मोर पंख से जुड़े उपाय बहुत कारगर होते हैं। इसके लिए सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांधें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां रखें। गंगाजल छिडक़ते हुए 21 बार ऊं सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः मंत्र का जाप करें। ऐसा करने से मानसिक शांति मिलती है।

वास्तु के अनुसार मोर पंख को घर में रखने से घर के सारे दोष दूर हो जाते है। कुंडली में नवग्रह दोष हो तो मोर पंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं। इससे हर ग्रह के दोष शांत होते हैं। ग्रहों के अशुभ प्रभाव से परेशान हों तो मोर पंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें। अब इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे। घर के मुख्य द्वार पर 3 मोर पंख लगाकर द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं। इससे घर के सदस्यों पर भगवान की कृपा बनी रहती है।

शीशा लगाने से पहले रखें इन बातों का ध्यान नहीं होगा नकारात्मकता का प्रवेश

दर्पण यानी शीशे न केवल हमें अपना प्रतिबिंब दिखाते हैं, बल्कि यह घरों को सजाने में भी काम आते हैं। क्या आप जानते हैं कि शीशे से जुड़ी कुछ गलतियां आपके जीवन में नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में रखी हर चीज का खास महत्व होता है। वास्तु में घर में हर चीज से जुड़े वास्तु टिप्स बताए गए हैं। वास्तु में शीशे से जुड़े भी खास नियम बताए गए हैं। जानते हैं वास्तु के अनुसार शीशा लगाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

नहीं रखना चाहिए टूटा शीशा

घर में गलती से भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। टूटा हुआ शीशा नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में रखने से दुर्भाग्य और कलह होती है।

दरवाजे के सामने नहीं होना चाहिए

दर्पण को कभी भी बेड और दरवाजे के ठीक सामने नहीं रखना चाहिए। बिस्तर के सामने लगा शीशा अशुभ माना जाता है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है।

शौचालय के पास नहीं होना चाहिए शीशा

शीशे को शौचालय के पास रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। दर्पण को कभी भी सीढ़ियों के सामने नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से घर में अशांति और अस्थिरता का माहौल पैदा होता है।

आकार का रखें ध्यान

शीशे का आकार हमेशा कमरे के आकार के अनुरूप होना चाहिए। बहुत बड़ा या बहुत छोटा दर्पण कमरे में असंतुलन पैदा कर सकता है। शीशा ऐसा होना चाहिए जिसमें आपका पूरा प्रतिबिंब दिखाई दे।

टूटे और गंदे शीशे से आती है दरिद्रता

बड़े शीशे को कभी भी ऐसी जगह नहीं रखना चाहिए जहां गिरने का खतरा हो। इससे से गंभीर चोटें लग सकती हैं. शीशे को हमेशा साफ रखना चाहिए. टूटा और गंदा शीशा घर में रखने से दरिद्रता आती है।

स्टोर रूम में नहीं होना चाहिए

शीशा घर के स्टोर रूम में गलती से भी दर्पण नहीं लगाना चाहिए। वास्तु के अनुसार इस स्थान पर शीशा रखने से परिवार के सदस्यों के बीच हमेशा मानसिक तनाव रहता है।

उत्तर दिशा में होना चाहिए शीशा

उत्तर दिशा को धन और समृद्धि की दिशा माना जाता है. इस दिशा में शीशा लगाने से धन-धान्य में वृद्धि होती है। वहीं पूर्व दिशा में शीशा लगाने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है और सफलता मिलती है।

मोह-माया, पाप-दुख से छुटकारा हेतु मोहिनी एकादशी व्रत

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी मोहिनी एकादशी कहलाती है. इस दिन भगवान पुरुषोतम राम की पूजा करने का विधि-विधान है. व्रत के दिन भगवान की प्रतिमा को स्नानादि से शुद्ध कर श्वेत वस्त्र पहनाये जाते है. वर्ष 2024 में 19 मई के दिन मोहिनी एकादशी का व्रत किया जायेगा. व्रत के दिन उच्चासन पर बैठकर धूप, दीप से आरती उतारते हुए, मीठे फलों से भोग लगाना चाहिए. मोहिनी एकादशी व्रत का महत्व मोहिनी एकादशी व्रत करने से व्यक्ति के सभी पाप और दुख नष्ट होते है. वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि में जो व्रत होता है. वह मोहिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है. इस व्रत के प्रभाव से मनुष्य मोह जाल से छूट जाता है. अतः इस व्रत को सभी दुरूखी मनुष्यों को अवश्य करना चाहिए. मोहिनी एकादशी के व्रत के दिन इस व्रत की कथा अवश्य सुननी चाहिए. मोहिनी एकादशी व्रत विधि मोहिनी एकादशी व्रत जिस व्यक्ति को करना हों, उस व्यक्ति को व्रत के एक दिन पूर्व ही अर्थात दशमी तिथि के दिन रात्रि का भोजन कांसे के बर्तन में नहीं करना चाहिए. दशमी तिथि में भी व्रत दिन रखे जाने वाले नियमों का पालन करना चाहिए. जैसे इस रात्रि में एक बार भोजन करने के पश्चात दूबारा भोजन नहीं करना चाहिए. रात्रि के भोजन में भी प्याज और मांस आदि नहीं खाने चाहिएं. इसके अतिरिक्त जौ, गेहुं और चने आदि का भोजन भी सात्विक भोजन की श्रेणी में नहीं आता है। एकादशी व्रत की अवधि लम्बी होने के कारण मानसिक रुप से तैयार रहना जरूरी है. इसके अलावा व्रत के एक दिन पूर्व से ही भूमि पर शयन करना प्रारम्भ कर देना चाहिए. तथा दशमी तिथि के दिन भी असत्य बोलने और किसी को दुरूख देने से बचना चाहिए. इस प्रकार व्रत के नियमों का पालन दशमी तिथि की रात्रि से ही करना आवश्यक है. व्रत के दिन एकादशी तिथि में उपवासक को प्रातरूकाल में सूर्योदय से पहले उठना चाहिए. और प्रातरूकाल में ही नित्यक्रियाएं कर, शुद्ध जल से स्नान करना चाहिए. स्नान के लिये किसी पवित्र नदी या सरोवर का जल मिलना श्रेष्ठ होता है. अगर यह संभव न हों तो घर में ही जल से स्नान कर लेना चाहिए. स्नान करने के लिये कुशा और तिल एक लेप का प्रयोग करना चाहिए. शास्त्रों के अनुसार यह माना जाता है, कि इन वस्तुओं का प्रयोग करने से व्यक्ति पूजा करने योग्य होता है। स्नान करने के बाद साफ -शुद्ध वस्त्र धारण करने चाहिए. और भगवान श्री विष्णु जी के साथ-साथ भगवान श्री राम की पूजा की जाती है. व्रत का संकल्प लेने के बाद ही इस व्रत को शुरु किया जाता है. संकल्प लेने के लिये इन दोनों देवों के समक्ष संकल्प लिया जाता है. देवों का पूजन करने के लिये कुम्भ स्थापना कर, उसके ऊपर लाल रंग का वस्त्र बांध कर पहले कुम्भ का पूजन किया जाता है, इसके बाद इसके ऊपर भगवान कि तस्वीर या प्रतिमा रखी जाती है. प्रतिमा रखने के बाद भगवान का धूप, दीप और फूलों से पूजन किया जाता है. तत्पश्चात व्रत की कथा सुनी जाती है. मोहिनी एकादशी व्रत कथा सरस्वती नदी के तट पर भद्रावती नाम की एक नगरी थी. इस नगरी में घृत नाम का राजा रहता था. उसके राज्य में एक धनवान वैश्य रहता था. वह बडा धर्मात्मा और विष्णु का भक्त था. उसके पांच पुत्र थे. बडा पुत्र महापापी था, जुआ खेलना, मद्धपान करना और सभी बुरे कार्य करता था.

भूलकर भी घर में नहीं लगाने चाहिए यह पेड़-पौधे

ज्यादातर लोग घर के अंदर या आंगन में तरह ङ्क तरह के पेड़-पौधे लगाते हैं, ताकि घर की खूबसूरती और भी अधिक बढ़ जाये। घर में पेड़ -पौधों को देखकर मन में शांति का अनुभव होने लगता है। वास्तु में कई पौधों को काफी अच्छा माना गया है, ये पौधे घर में बरकत लेकर आते हैं। पेड़-पौधे घर की सुंदरता तो बढ़ाते हैं साथ ही आर्थिक उन्नति के द्वार भी खोलते हैं। इन पौधों की वजह से घर में सुख और शांति बनीं रहती हैं। लेकिन, वास्तु में कुछ ऐसे पौधों का वर्णन भी किया गया है, जो आपके भाग्य को दुर्भाग्य में बदल देते हैं। ऐसे में दुर्भाग्य लाने वाले पौधों को गलती से भी घर में नहीं लगाना चाहिए। वास्तु की मानें तो इन पौधों से घर में नकारात्मक ऊर्जा संचार होने लगता है।

आज हम आपको ऐसे 5 पेड़-पौधों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें अपने घर में लगाने से जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

कैक्टस का पौधा

कैक्टस का पौधा कांटेदार होता है। इस पौधे को भी अपने घरों में नहीं लगाना चाहिए। वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर में कैक्टस का पौधा लगाने से परिवार के बीच झगड़े होने शुरू हो जाते हैं। परिवार के बीच मतभेद बढ़ने लगते हैं। इसलिए हमें गलती से भी घर के अंदर या बाहर कैक्टस का पौधा कभी नहीं लगाना चाहिए।

पीपल का पेड़

पीपल के की पूजा की जाती है लेकिन वास्तु के अनुसार इसे घर पर नहीं लगाना चाहिए। इसको लगाने से घर में नकारात्मक प्रभाव आता है और आर्थिक समस्याएं भी घेरने लगती हैं। इसलिए हमें पीपल का पेड़ कभी भी घर के आंगन में नहीं लगाना चाहिए।

इमली का पेड़

इमली का पेड़ भी घर में नकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। इसलिए इसे भी घर में नहीं लगाना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, जिस इंसान के घर के आंगन में इमली का पेड़ होता है, उसकी आर्थिक स्थिति हमेशा डामाडोल रहती है। इतना ही नहींइमलीका पेड़ घर में लगे रहने से रिश्तों में भी खटास पड़ने लगती है।

खजूर का पेड़

खजूर के पेड़ को घर के आंगन में नहीं लगाना चाहिए। वास्तु शास्त्र कहता है कि इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है। साथ ही घर में रहने वाले सदस्यों के जीवन में दरिद्रता आती है। साथ ही बने-बनाए कार्य भी बाधा आने लगती हैं। तरक्की पर भी फुलस्टॉप लग जाता है।

बेर का पेड़

घर के आंगन या सामने लगा बेर का पेड़ अशुभ फल दे सकता है। वास्तु के अनुसार, इसके पेड़ में लंबे-लंबे कांटे होने की वजह से इसे घर के आंगन में लगाना वर्जित माना गया है। जिस घर में बेर का पेड़ होता है, वहां के सदस्यों के बीच कलह शुरू हो जाते हैं और जीवन से सुख-चैन खत्म हो जाता है साथ ही आर्थिक तंगी भी घेरने लगती है।

मदार का पेड़

मदार का पेड़ को आक के नाम से भी जाना जाता है। इसे भी घर के आंगन में नहीं लगाना चाहिए। वास्तु के अनुसार जिन पेड़ों से दूध यानी सफेद पदार्थ निकलता है, उन्हें आंगन में नहीं लगाना चाहिए। यह पेड़ नकारात्मक ऊर्जा को जन्म देता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राहुल के खिलाफ मानहानि मामले में सात को होगी सुनवाई

नईदिल्ली। सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए अदालत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 2018 के मानहानि मामले में सुनवाई 7 जून तय की है। गांधी के खिलाफ मानहानि की शिकायत भाजपा नेता विजय मिश्रा ने दायर की थी। गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने अदालत में एक आवेदन देकर कहा कि कांग्रेस नेता लोकसभा चुनाव के प्रचार में व्यस्त हैं और उन्हें अदालत में पेश होने के लिए समय चाहिए। जज शुभम वर्मा ने सुनवाई की अगली तारीख 7 जून तय की है। वादी के वकील संतोष कुमार पांडे ने कोर्ट को बताया कि गांधी कोर्ट से भाग रहे हैं। अदालत ने पिछले दिसंबर में गांधी के खिलाफ वारंट जारी किया था. इसके बाद, कांग्रेस नेता ने 20 फरवरी को अमेठी में अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा रोक दी थी और अदालत में पेश हुए, जिसने उन्हें जमानत दे दी।

केजरीवाल पहुंचे सुप्रीम कोर्ट अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सुपीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और अंतरिम जमानत 7 दिन बढ़ाने की मांग की है। पार्टी की ओर से इस बाबत जानकारी दी गई है। 'आप' की ओर से जानकारी दी गई है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में उनकी अंतरिम जमानत की अवधि सात दिन बढ़ाए जाने का अनुरोध किया है। आम आदमी पार्टी यानी 'आप' की ओर से बताया गया है कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अपनी अंतरिम जमानत 7 दिन बढ़ाने की मांग की है। केजरीवाल को पीईटी-सीटी स्कैन और अन्य टेस्ट करवाना है जिसमें इतने दिन लगेंगे। केजरीवाल ने जांच कराने के लिए 7 दिन का समय मांगा है।

जमानत के लिए अब हाईकोर्ट पहुंचे हेमंत सोरेन

रांची। सुप्रीम कोर्ट से जमानत याचिका वापस लेने के बाद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अब झारखंड हाईकोर्ट का रुख किया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष ने हाईकोर्ट में सोमवार (22 मई) को जमानत याचिका दाखिल की। हेमंत सोरेन ने अपने वकील के माध्यम से दाखिल जमानत याचिका दाखिल की है। इसके पहले उन्होंने लोअर कोर्ट से आग्रह किया था कि उन्हें जमानत दी जाए, लेकिन उनकी याचिका खारिज हो गई थी। इसके बाद हेमंत सोरेन झारखंड हाईकोर्ट पहुंचे और कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से की गई उनकी (हेमंत सोरेन की) गिरफ्तारी अवैध है। इस मामले में सुनवाई के बाद झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसी बीच, हेमंत सोरेन सुप्रीम कोर्ट पहुंचे और जमानत देने का आग्रह किया।

नहीं दूंगी आम आदमी पार्टी से इस्तीफा: स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार पर अपने साथ मारपीट करने का आरोप लगाने के बाद अब स्पष्ट किया है कि इतने विवाद के बाद भी वो पार्टी से इस्तीफा नहीं देंगी। इसके साथ ही उन्होंने बिभव कुमार के साथ हुए विवाद में पार्टी नेतृत्व के साथ किसी भी तरह की सुलह की संभावना से इनकार किया है। एक इंटरव्यू में स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाया कि 13 मई को जब वह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने उनके आवास पर गई थीं तो बिभव कुमार ने उन पर हमला किया था। सीएम केजरीवाल के पूर्व पीए बिभव कुमार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं। घटना के बाद की स्थितियों पर बात करते हुए स्वाति मालीवाल ने कहा, अगर मैं सच नहीं बोल रही होती तो शायद मेरे और पार्टी के बीच संबंध सुधर सकते थे।

प्रधानमंत्री मंगलसूत्र, मुजरा के बाद अब पाकिस्तान पर आ गये

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज झा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी पर निशाना साधा, जिसमें पीएम मोदी ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन को पाकिस्तान से समर्थन मिल रहा है। राजद सांसद मनोज झा ने सोमवार को कहा कि दुनिया ने ऐसा व्यक्ति कभी नहीं देखा, जो अभद्र भाषा की सभी सीमाएं पार कर जाए। मीडिया से बात करते हुए मनोज झा ने आरोप लगाया कि चीन को लेकर प्रधानमंत्री के मुंह से कुछ नहीं निकलता है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी मंगलसूत्र, मुजरा की बात कर रहे थे, अब पाकिस्तान भी आ गया। आखिर आप कैसे आदमी हैं? आप यहां चुनाव लड़ते हैं। आपको नौकरियों और आर्थिक-सामाजिक न्याय पर बोलना चाहिए। उनके बारे में मैं क्या कह सकता हूं, जिनके मुंह से मुजरा जैसा शब्द निकला हो? आप कौन सी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं? लोकतंत्र सामूहिकता की चीज है।

धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे : नड्डा

वाराणसी में बोले भाजपा अध्यक्ष 10 साल पहले राजनीति के प्रति उदासीन हो चुके थे लोग

लखनऊ। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में विद्वत बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 10 साल पहले देश का नागरिक राजनीति के प्रति उदासीन हो चुका था, उसका विश्वास टूट चुका था। जब राजनीति में लोकमत उदासीन हो जाए, तो वो प्रजातंत्र के लिए खतरा बन जाता है। लेकिन 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी ने साधारण नागरिक में एक विश्वास पैदा किया। आज इस विश्वास के कारण ही हम विकसित भारत के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

नड्डा ने कहा कि लंबे समय तक भारतीय राजनीति का अर्थ था, फूट डालो राज करो और सबके नाम पर वोट मांगो और सरकार बन जाए, तो किसी जाति के बन जाओ। उत्तर प्रदेश इसका प्रमाण है। यहां आपने दो पार्टियों की सरकार देखी है, जिन्होंने सबका मत लिया और बाद में एक जाति का बन के रह गईं। उन्होंने कहा कि आज दवाई मैन्युफैक्चरिंग में भारत दूसरे नंबर पर खड़ा है। सबसे सस्ती और असरदार दवाएं भारत बना रहा है। 126% एक्सपोर्ट बढ़ गया है।

जेपी नड्डा ने कहा कि गांव, गरीब, वंचित, शोषित, पीड़ित, किसान, युवा, महिला... मोदी जी के नेतृत्व में सबका सशक्तिकरण हुआ है। आज 2 लाख पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर बिछाया गया है। आज 2 लाख कॉमन सर्विस सेंटर चल रहे हैं। ये बदलते भारत के बदलते गांव है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अखिलेश यादव ने कहा कि भारत तो अनपढ़ है, यहा डिजिटल क्या करोगे, लेकिन मोदी जी भारत का सामर्थ्य जानते थे। आज यहां सब्जी बेचने वाला भी डिजिटल ट्रांजैक्शन कर रहा है। दुनिया का 40 प्रतिशत डिजिटल ट्रांजैक्शन आज भारत में होता है।

वाराणसी लोकसभा से भाजपा के प्रत्याशी और प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव प्रचार के लिए यहां पहुंचे नड्डा ने काल भैरव मंदिर में पूजा—अर्चना करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में विपक्ष के बारे में पूछे गये एक सवाल पर कहा, विपक्ष को आप देख ही लेंगे कि चार जून (लोकसभा चुनाव परिणाम की घोषणा की तिथि) को उसका क्या हाल होगा। उन्होंने विपक्ष पर धर्म के आधार पर आरक्षण देने का मंसूबा रखने का आरोप लगाते हुए कहा, संविधान में स्पष्ट लिखा हुआ है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा और जब तक मोदी हैं और भारतीय

जनता पार्टी है, तब तक धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे। हम अपने दलित, आदिवासी, पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों के आरक्षण पर किसी को डाका नहीं डालने देंगे।

माफिया मिट्टी में मिल गया है, राज्य में कुछ नहीं बचा है अब : योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मऊ में चुनाव सभा को संबोधित करते हुए कहा कि माफिया मिट्टी में मिल गया है अब, माफिया कुछ नहीं बचा है अब यहां। विपक्ष पर वार करते हुए योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया है कि अगर (केंद्र में) कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार बनती है, तो वे मुसलमानों को भी आरक्षण का लाभ देंगे...बाबा साहेब अंबेडकर ने कहा था कि धर्म आरक्षण का आधार नहीं हो सकता। एससी/एसटी समुदाय को आरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोग आपका हक छीनना चाहते हैं।

योगी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को सुरक्षित रखने के लिए किसी भी प्रकार के मुस्लिम आरक्षण का विरोध करती है। उन्होंने कहा कि देश की जनता को मोदी जी की नीतियों पर विश्वास है, उनके नेतृत्व पर विश्वास है। योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा और लोगों से आग्रह किया कि वे उन्हें एक-एक वोट के लिए तरसाएं क्योंकि उन्हें वोट देने का मतलब आतंकवाद और माफिया राज को आमंत्रित करने के अलावा हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ करना और गरीबों से उनका हक छीनना है।

उन्होंने कहा, "400 पार की बात सुनते ही कांग्रेस, सपा, राजद समेत 'इंडिया' गठबंधन के सभी दल चारों खाने चित हो रहे हैं, क्योंकि इन्होंने 400 सीटों पर लड़ने का सपना ही नहीं देखा। वहीं मोदी जी के नेतृत्व में देश के लिए किए गए योगदान की बदौलत जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से भाजपा इस लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर बढ़ रही है।" मुख्यमंत्री ने दावा किया, "एक समय था, जब बेटी-व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। गाजीपुर इसका जीता जागता उदाहरण था। गाजीपुर हो आजमगढ़, मऊ हो या आसपास के जनपद भय और आतंक के साये में जीते थे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को घोसी में जनसभा को संबोधित किया। घोसी से सुभासपा के अरविंद राजभर एनडीए प्रत्याशी हैं। सीएम योगी ने जनसभा में कहा कि एक तरफ बीजेपी मोदी जी के नेतृत्व में गांव के लिए, गरीब, दलित, पिछड़े, किसानों, महिलाओं के लिए नए-नए कार्यक्रम लेकर आए हैं। वहीं इंडी गठबंधन सोच नकारात्मक है। ये भगवान राम का विरोध करते है और भारत का भी विरोध करते हैं। दलितों का विरोध करते हैं, पिछड़ों के हक में डकैती डालते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि ये कहते हैं कि अगर सत्ता में आए तो जनता पर विरासत टैक्स लगाएंगे। यदि सपा-कांग्रेस सत्ता में आए तो ये आपकी आधी संपत्ति लेकर रोहंगिया, पाकिस्तानियों, बांग्लादेशियों को बांटने का काम करेंगे। यही नहीं ये सत्ता में आए तो पर्सनल कानून लागू करेंगे। पर्सनल कानून का मतलब तालिबानी शासन। बेटी स्कूल नहीं जा पाएगा। महिलाएं बाजार नहीं जा पाएंगे, तीन तालाक की प्रथा ये फिर से लागू कराएंगे। बुर्के के अंदर महिला को रहना पड़ेगा। ये भारत के संविधान का अपमान है। भारत बाबा साहब अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा। भारत में तालिबानी कानून लागू नहीं होने दिया जाएगा। भारत में शरीयत का कानून नहीं लागू होगा।

उन्होंने कहा कि देश की आवाज है फिर एक बार मोदी सरकार। मोदी सरकार इसलिए, जिससे हम सब एक कृतज्ञता ज्ञापित कर सकें। कृतज्ञता इसलिए कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। उन्होंने कहा कि सुभासपा के अरविंद राजभर युवा जुझारू प्रत्याशी है। युवा प्रतिनिधि करेगा तो मऊ के विकास के लिए कार्य करेगा। इसलिए अरविंद राजभर को विजयी बनाएं।

प्रधानमंत्री के परमात्मा ने मुझे भेजा है वाले बयान पर राहुल का तंज

चुनाव बाद ईडी पूछेगी पीएम मोदी से अडानी पर सवाल

पटना। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि चुनाव के बाद ईडी नरेंद्र मोदी से अडानी को लेकर सवाल पूछेगी। राहुल गांधी बख्तियारपुर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि तेजस्वी बता रहे थे कि पीएम ने उन्हें जेल में डालने की बात कही है। राहुल गांधी ने बताया कि एक इंटरव्यू में मोदी ने कहा था कि बड़े-बड़े फैसले मैं नहीं लेता परमात्मा लेते हैं। ये ऐसा बचने के लिए कहते हैं। उन्होंने कहा कि ईडी उनसे अडाणी पर सवाल करेगी। जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने यह बड़ा दावा कर दिया कि नरेंद्र मोदी अगली बार पीएम नहीं बन रहे क्यों कि क्यों उत्तर प्रदेश और बिहार में इंडिया गठबंधन का तुफान आ रहा है। उन्होंने कहा कि चार जून को चुनाव के परिणाम आएंगे और पांच जून से महागठबंधन सरकार अपना काम करना शुरू कर देगी।

राहुल गांधी ने कहा कि दुनिया में कोई शक्ति संविधान को छू भी नहीं सकती। आप ने किया भी तो इंडी गठबंधन आपको खड़ा मिलेगा। आप इसका कुछ नहीं कर पाएंगे। नरेंद्र मोदी जी ने अमीरों का करोड़ों रुपया माफ किया है। कांग्रेस गरीबों की लिस्ट बनाएगी। करोड़ों महिलाओं के नाम इस लिस्ट में होंगे। 5 जुलाई को इन करोड़ों महिलाओं के अकाउंट में हम 1 लाख रुपए डालेंगे। किसानों की आमदनी भी हम दोगुनी करने जा रहे हैं। उन्होंने करीब 18 मिनट का भाषण दिया।

उन्होंने कहा कि मोदी आप लंबे-लंबे भाषण देना बंद कीजिए आप देश को बांटने की कोशिश मत करिए। आप सबसे पहले देश और बिहार के युवाओं को ये बताइए कि आपने देश के युवाओं को कितना रोजगार दिया कितनी नौकरियां दीं? आपने 2 करोड़ रोजगार की बात की थी आपने 1 युवा को नौकरी नहीं दी। नरेंद्र मोदी कुछ भी कहे 4 जून के बाद इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने जा रही है। यह संविधान का चुनाव है। बीजेपी वालों ने कहा है कि

हम इस संविधान को फाड़ कर फेंक देंगे।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की भाषा का स्तर इतना गिर चुका है कि कोई भी परिवार के लोग उनका भाषण नहीं सुनना चाहते। क्या बात करते हैं? मंदिर, मस्जिद, मछली, मटन, मुजरा ऐसी बातों का वो जिक्र करते हैं ये उनके लिए मुद्दा है। हम पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई, गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई की बात करते हैं। तेजस्वी ने बिहार में अपलोगों को रोजगार दिया। पूरे हिंदुस्तान में 30 लाख रोजगार है, वो देने का काम करेंगे। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री बिहार आकर हमको गाली देते हैं। लालू जी को गाली देते हैं। राहुल गांधी को गाली देते हैं। उनके भाषण का स्तर इतना गिर गया है कि कोई भी परिवार के लोग उनका भाषण सुनना नहीं चाहता।

पाटलिपुत्र सीट से आरजेडी प्रत्याशी मीसा भारती, पटना साहिब से कांग्रेस प्रत्याशी अंशुल अभिजीत और आरा में माले प्रत्याशी सुदामा सिंह चुनावी मैदान में हैं। सभा में राहुल गांधी के साथ आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी समेत महागठबंधन के तमाम नेता मौजूद रहे।

खेल
प्रमुख समाचार

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूयॉर्क पहुंची टीम इंडिया

न्यूयॉर्क। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम वेस्टइंडीज और यूएसए में अगले महीने से शुरू होने वाले आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए न्यूयॉर्क पहुंच गई है। इसी शहर में टीम इंडिया करीब दो सप्ताह तक रहेगी, क्योंकि रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम को पहले तीन मुकाबले और वॉर्मअप मैच न्यूयॉर्क में ही खेलने हैं। जबकि भारत अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 9 जून के महामुकाबला खेलेगा। न्यूयॉर्क के नए नवेले नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। करीब एक दर्जन खिलाड़ी न्यूयॉर्क पहुंच गए हैं जबकि बाकी खिलाड़ी जल्द ही यात्रा करेंगे।

बीसीसीआई ने जो वीडियो शेयर किया है कि उसमें 10 ही खिलाड़ी ऐसे हैं, जो फाइनल 15 का हिस्सा हैं। 5 खिलाड़ी आईपीएल 2024 प्लेऑफ और निजी कारणों के चलते यूएसए नहीं गए हैं। जल्द ही बीसीसीआई बाकी पांच खिलाड़ियों और दो रिजर्व खिलाड़ियों न्यूयॉर्क भेजेगी। वहीं रिपोर्ट में सामने आया है कि बांग्लादेश के खिलाफ 1 जून को टीम इंडिया वॉर्मअप मैच खेलेगी जिसमें विराट कोहली नहीं खेलेंगे। कोहली देरी से न्यूयॉर्क पहुंचेंगे। हालांकि, 5 जून को खेले जाने वाले टीम इंडिया के पहले मैच के लिए वे उपलब्ध होंगे। जिसमें भारत आयरलैंड से भिड़ेगा। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, स्पिनर कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, सूर्यकुमार यादव, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल का नाम शामिल हैं। जबकि ट्रेवलिंग रिजर्व के तौर पर टीम में शामिल तेज गेंदबाज खलील अहमद और शुबमन गिल भी टीम के साथ न्यूयॉर्क पहुंचे हैं। अभी भी उपकप्तान हार्दिक पंड्या, विराट कोहली, संजू सैमसन, यशस्वी जायसवास, युजवेंद्र चहल का न्यूयॉर्क पहुंचना बाकी है। इसके आलावा रिंकू सिंह और आवेश खान ट्रेविलंग रिजर्व के तौर पर इनके साथ जाएंगे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 75,391 पर बंद निफ्टी 25 अंक टूटा

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट दर्ज की गई और उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में इक्विटी इंडेक्स मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। कारोबार के अंतिम 30 मिनट में निवेशकों ने मुनाफावसूली की जिससे बाजार लाल निशान में बंद हुआ। पिछले हफ्ते आरबीआई के सरकार को रिकॉर्ड डिविडेंड देने पर फाइनेंशियल शेयरों में जोरदार तेजी आई थी। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज पिछले बंद भाव के मुकाबले बढ़त के साथ 75,655.46 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 76,009.68 अंक के लेवल तक चला गया था। अंत में सेंसेक्स 0.03 प्रतिशत या 19.89 अंक की गिरावट लेकर 75,390.50 पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.11 फीसदी या 24.65 अंक की गिरावट लेकर 22,932.45 अंक के लेवल पर बंद हुआ। इंट्रा-डे ट्रेड के दौरान यह 23,110.80 तक चला गया था।

गोल्डमैन सैक्स ने बढ़ाया जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान

नईदिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है। गोल्डमैन सैक्स ने कैलेंडर वर्ष 2024(CY24) के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अपने पूर्वानुमान को 10 आधार अंक बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही उम्मीद लगाई है कि भारतीय रिजर्व बैंक चालू कैलेंडर वर्ष की चौथी तिमाही या चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। अप्रैल 2024 तक जनवरी में भारत की मुख्य मुद्रास्फीति औसतन 3.4 प्रतिशत सालाना थी। गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषकों ने कहा कि CY24 की दूसरी तिमाही में मुख्य मुद्रास्फीति नीचे आ सकती है और CY24 की दूसरी छमाही में 4-4.5 प्रतिशत अंक तक बढ़ सकती है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि एमपीसी ने भारत के कई हिस्सों में चल रहे गर्म मौसम की स्थिति के कारण आपूर्ति पक्ष में व्यवधान के कारण फूड इन्फ्लेशन पर सतर्क रुख अपनाया है।

जिप इलेक्ट्रिक ने जापानी कंपनी से 1.5 करोड़ जुटाए

नईदिल्ली। जिप इलेक्ट्रिक ने जापान की कंपनी ईएनईओएस से 1.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'सीरीज सी फंडिंग' के तहत 1.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए गए। यह पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर के वित्त पोषण चक्र का हिस्सा है। इसमें चार करोड़ अमेरिकी डॉलर इक्विटी निवेश, जबकि बाकी एक करोड़ अमेरिकी डॉलर कर्ज है। 'सीरीज सी' वित्त पोषण चक्र में मौजूदा निवेशकों 9यूनिकॉर्न्स, आईएएन फंड, उद्यम उत्प्रेरक, डब्ल्यूएफसी और अन्य ने भी हिस्सा लिया। बयान में कहा गया इस राशि का इस्तेमाल जिप के बेड़े को 21,000 से दो लाख इलेक्ट्रिक स्कूटर तक विस्तारित करने और 2026 तक भारत के 15 शहरों में अपनी सेवाओं का विस्तार करने के लिए किया जाएगा। जिप इलेक्ट्रिक के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी आकाश गुप्ता ने कहा कि ताजा निवेश जिप को टिकाऊ ईवी समाधानों के साथ अंतिम छोर तक 'डिलीवरी' करने में मदद करेगा।

फैशन ब्रांड इंडिया ने निवेशकों से जुटाए 50 करोड़ रुपये

नईदिल्ली। फैशन ब्रांड इंडिया के विनिर्माता हाई स्ट्रीट एसेंशियल्स ने जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल की पत्नी संगीता जिंदल और अन्य निवेशकों से 50 करोड़ रुपये जुटाने की सोमवार को घोषणा की। इंडिया की सह-संस्थापक शिवानी पोद्दार ने कहा कि वित्त पोषण का तीन-चौथाई हिस्सा अल्पमत हिस्सेदारी के लिए इक्विटी निवेश है, जबकि बाकी कर्ज है। कंपनी के सह-संस्थापक अनुराग मुरली ने कहा कि इंडिया भविष्य में विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में जेएसडब्ल्यू की विशेषज्ञता से लाभ उठा सकती है। इंडिया की स्थापना 2012 में की गई थी। वर्तमान में इसके आठ शहरों में 12 विशिष्ट ब्रांड आउटलेट और 150 बड़े खुदरा आउटलेट हैं। बयान के अनुसार, इस साल अप्रैल में इसका परिचालन लाभ में आया। यह व्यवसाय विस्तार के लिए जुटाए गए धन का इस्तेमाल करेगी।

दुनिया की सबसे चमत्कारी औद्योगिक क्रांति है रेलवे

अंशुमान तिवारी

1920 में सर विलियम एकवर्थ की अगुआई में एक कमीशन बना और इसकी सिफारिश पर 1924 में रेलवे के बजट को सरकार के बजट से अलग कर दिया गया। निजी रेल कंपनियों का सरकारीकरण हो गया। आजादी के बाद भारत की निजी रेलवे पूरी तरह सरकारी हो गई। 2017 में रेलवे बजट आम बजट का हिस्सा बन गया। अब फिर भारतीय रेलवे के निजीकरण की कोशिश शुरू हो रही है।

भारत में चुनावी चकल्लस के बीच जनता को यह पता नहीं चला कि भारतीय रेल यात्री किराये की कमाई में पिछड़ गई है। रेलवे का पैसेंजर राजस्व बीते साल में उस गति से भी नहीं बढ़ा, जिस रफ्तार से भारत की जीडीपी (महंगाई सहित यानी नॉमिनल) बढ़ी है। वंदे भारत ट्रेनों को कामयाब बनाने के लिए बीते साल किराये भी घटाए गए थे, मगर रेलवे को महंगे टिकट लेने वाले यात्री नहीं मिल रहे। दिसंबर, 2021 में भारत सरकार ने निजी ट्रेनें चलाने की योजना रोक दी थी। 30,000 करोड़ का टेंडर लौट गया। यह भारत में रेलवे के निजीकरण की पहली सबसे महत्वाकांक्षी कोशिश थी, रूट तय हो गए थे। निजी कंपनियां और सरकार के बीच कमाई के बंटवारे का फॉर्मूला बन गया, मगर कंपनियों ने भारत के सबसे बड़े ट्रांसपोर्टर यानी रेलवे में दिलचस्पी ही नहीं ली। वर्ष 2022 में सरकार ने रेलवे की संपत्तियां बेचने की कोशिश की। कोई ग्राहक नहीं आया। रेलवे के कुछ विभाग और प्रतिष्ठान बंद करने की तैयारी है, घाटा कम करने या नए संसाधन जुटाने की हर जुगत औंधे मुंह गिर पड़ी।

बीते एक दशक में रेलवे बजट खत्म करने से लेकर निजीकरण तक, तमाम कोशिशों के बाद भी इस महाकाय गतिमान

बुनियादी ढांचे की बैसाखियां हटती ही नहीं। रेलवे के घाटे का दुख दूर ही नहीं होता। अलबत्ता भारत अकेला नहीं है। पूरी दुनिया में रेल सरकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। निजी कंपनियों का संसार आकाश से पाताल तक फैल गया है। मगर सरकारें उन्हें रेलवे में निवेश के लिए राजी नहीं कर पातीं। रेलवे दुनिया की सबसे चमत्कारी औद्योगिक क्रांति थी, मगर यह आर्थिक तौर पर सबसे अभिशप्त कारोबार भी है।

आपको अपनी सीट पर एक उपन्यास रखा मिला होगा। जब तक हम उड़ान भरते हैं, आप इसका आनंद लीजिए। स्कॉटिश कवि और व्यंग्यकार डब्ल्यू. ई. आइटन का यह व्यंग्य उपन्यास 1845 में आया था। इसका शीर्षक है-हाउ वी गॉट अप द ग्लेनमचकिन रेलवे? हम यूरोपीय इतिहास के जिस युग में जा रहे हैं, वह रेलवे बबल यानी रेलवे में भारी निवेश और नुकसान का दौर है। यह उपन्यास उस वक्त का प्रतिनिधि दस्तावेज माना जाता है। यह भीड़ देख रहे हैं। यह दुनिया के इतिहास के सबसे अनोखे मोड़ का गवाह बन रही है। यह 1830 है। ब्रिटेन में मैनचेस्टर और लिवरपूल के बीच यात्री ट्रेन चलाई जा रही है। इस ट्रेन के आने से पहले तक लोग घोड़ों वाली बग्घी पर यात्रा करते थे। पहली यात्री रेल खूब कामयाब हुई। उद्योगपतियों ने रेलवे में पूंजी झोंकनी शुरू कर दी है। ब्रिटेन की सरकार ने एक साथ 3,000 से अधिक रेल लाइनों को मंजूरी दे दी है। ब्रिटेन की आर्थिक हवा रेल क्रांति के किस्सों से महक रही है। निजी कंपनियां और बैंक रेलवे में निवेश का कोई मौका नहीं चूकना चाहते।

आप 21वीं सदी से आए हैं, तो आपको उस तरह के अंधे निवेश में खतरों का एहसास है, मगर ब्रिटेन के लोग तो रेलवे में निवेश के दीवाने हैं। इस दीवानगी को देखते हुए हम 1900 में आ गए हैं। आपको 21वीं सदी वाली दुनिया का एहसास हो रहा होगा। एकाउंटिंग फ्रॉड, पोंजी स्कीमें, झूठे प्रचार, भ्रष्टाचार, वही सब जो इस तरह के निवेश में होता है। इन सुर्खियों को ध्यान से पढ़िए- ब्रिटेन और अमेरिका की रेल कंपनियां दिवालिया हुईं। बैंक डूबे। असंख्य कंपनियों में निवेशकों की 90 फीसदी पूंजी स्वाहा हो गई। इस चिल्ल-पों के बीच प्रख्यात वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन का नाम आपके कानों तक आया होगा। रेलवे कंपनियां उनकी पूंजी भी ले डूबी हैं।

उप-मुख्यमंत्री शर्मा ने तमिलनाडु पहुंचकर आईजी सुंदरराज के पिता को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। पुलिस के अधिकारी हों या जवान, उप-मुख्यमंत्री व गृह मंत्री श्री विजय शर्मा उनके सुख-दुख में साथ खड़े नजर आते हैं। रविवार को उन्होंने बस्तर आईजी सुंदरराज पी. के पिताश्री के दु:खद निधन पर उनके गृहग्राम सरवनमपट्टी (कोएम्बतूर, तमिलनाडु) जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से आत्मीय भेंट कर अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढाढ़स बंधाया। विदित रहे, बस्तर आईजी सुंदरराज पी. के पिताश्री का पिछले दिनों उनके गृहग्राम सरवनमपट्टी (कोएम्बतूर, तमिलनाडु) में निधन हो गया। उप-मुख्यमंत्री शर्मा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके गृहग्राम पहुंचे। आईपीएस सुंदरराज पी. पर बस्तर आईजी के तौर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। नक्सल उन्मूलन की दिशा में बस्तर तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में गृह मंत्री शर्मा पितृ शोक का सामना कर रहे बस्तर आईजी सुंदरराज पी. व उनके परिजनों के साथ खड़े रहे।

शांति और भरोसे की बात कम-से-कम कांग्रेस और उसके प्रदेश अध्यक्ष बैज न ही करें, तो बेहतर है : भाजपा

प्रदेश महामंत्री श्रीवास्तव का बैज के पत्र पर पलटवार- कांग्रेस के शासनकाल में नक्सली गतिविधियों का जिस तरीके से विस्तार हुआ है, उससे यह साफ दिखता है कि कांग्रेस के शासनकाल में ही नक्सली गतिविधियां फली-फूली हैं

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने उप मुख्यमंत्री/गृह मंत्री विजय शर्मा द्वारा नक्सली मुठभेड़ को लेकर पत्रकारों से चर्चा के दौरान कांग्रेस के नजरिए की आलोचना करते हुए प्रस्तुत आँकड़ों व तथ्यों के जवाब में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा लिखे गए पत्र को कोरी राजनीतिक जुमलेबाजी करार दिया है। श्री श्रीवास्तव ने दो टूक कहा कि शांति और भरोसे की बात कम-से-कम कांग्रेस और उसके प्रदेश अध्यक्ष बैज न ही करें, तो बेहतर है। सामंतवादी सोच के साथ बस्तर के राजा प्रवीरचंद्र भंजदेव की हत्या करके कांग्रेस ने आदिवासियों का जो विश्वास तोड़ा था, बस्तर की अधिकांश समस्या की जड़ में कांग्रेस के ऐसे ही अनेक कृत्य हैं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार नक्सल उन्मूलन की दिशा में तेजी से आगे बढ़कर लगातार विकास के माध्यम से विश्वास बहाली में जुटी है। कांग्रेस के शासनकाल में नक्सली गतिविधियों का जिस तरीके से विस्तार हुआ है, उससे यह साफ दिखता है कि कांग्रेस के शासनकाल में ही नक्सली गतिविधियां फली-फूली हैं। भाजपा की सरकार ने बस्तर से लेकर नक्सल प्रभावित आदिवासी इलाकों तक विकास के कार्य किए हैं और नक्सलियों के हौसलों को तोड़ने का काम किया है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि बेहतर होता यदि प्रदेश हित में नक्सलवाद को खत्म करने के लिए, नक्सली गतिविधियों को रोकने के लिए बैज कोई सार्थक व सुपरिणामकारी सुझाव देते। उनके उन सुझावों पर निश्चित ही प्रदेश की भाजपा सरकार अमल करती, लेकिन दुर्भाग्य है कि कांग्रेस नक्सलियों के नाम पर अपनी राजनीतिक दुकानदारी चलाना चाहती है, अपनी

राजनीति चलाना चाहती है। यह देश और प्रदेश के लिए दुर्भाग्य का विषय है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार का कृत्य ही ऐसा था कि बस्तर के आदिवासी समुदाय ने 12 की 8 सीटें भाजपा को दी और सरगुजा की जनजाति बहुल 14 सीटों पर कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा है। कुल मिलाकर एक सुझाव मांगने के नाम पर भी प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजनीति कर रही है, फरेब कर रही है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री श्रीवास्तव ने कहा कि आदिवासी समाज के विश्वास के साथ सबसे ज्यादा खिलवाड़ करने का ट्रैक रिकॉर्ड तो कांग्रेस का ही रहा है। आदिवासी समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए कांग्रेस ने सारे जतन किये। उसमें भी कांग्रेस की सामंतवादी मनोवृत्ति ही दिखी है। महज मात्रात्मक त्रुटि के बहाने कांग्रेस की सरकारों ने आदिवासी समाज की 12 जातियों को तमाम अवसरों से वंचित रखा। भाजपा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने उन्हें आरक्षण का लाभ देकर मुख्य धारा से जोड़ा है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में पिछले 5 वर्षों के अपने शासनकाल में आदिवासी समुदाय को धोखा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भाजपा के सशक्त मंडल अध्यक्ष से सांसद रहते हुए विधानसभा का चुनाव हार चुके पराजित बैज विश्वास की बात न ही करें। आदिवासियों के लिए कोई भी रचनात्मक विचार नहीं है, इसलिए बौखलाहट में केवल नकारात्मक राजनीति, झूठ और फरेब की राजनीति बैज और उनकी कांग्रेस कर रही है। दुःख की बात है कि लंबे समय तक देश-प्रदेश में शासन करने वाली कांग्रेस के पास आदिवासियों के लिए एक भी कोई रचनात्मक विचार नहीं है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नक्सलियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विकास की राह में लाल आतंक हमेशा से रोड़ा बनकर सामने आता रहा है। लेकिन पिछले कुछ समय से सुरक्षा बल एक अलग ही मूड में नजर आ रहा हैं। बीते पांच महीनों के आंकड़ों पर गौर करें तो छत्तीसगढ़ के जवानों ने हिंसा के रास्ते पर चल रहे 120 नक्सलियों का एनकाउंटर किया है। बस्तर में सर्चिंग पर निकल रहे जवानों की दहशत इतनी बढ़ गई है कि, 400 से ज्यादा नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है और 407 नक्सलियों की गिरफ्तारी की गई है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने बयान में कहा कि, प्रदेश की जनता के आशीर्वाद से साय सरकार बनी है और सीएम विष्णुदेव के नेतृत्व में माओवादियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चल रहा हैं। बस्तर में भी अमन-चैन कायम होगा। बस्तर धरती का स्वर्ग है। आने वाले समय में बस्तर पर्यटन के एक बड़े केन्द्र के रूप में उभरकर सामने आएगा। मंत्री चौधरी ने आगे कहा कि, हमारी सरकार आने के बाद केवल 5 महीनों में सुरक्षा बलों ने 120 माओवादियों को मार गिराया। 407 नक्सलियों की गिरफ्तारी और 404 ने आत्मसमर्पण किया है।

करबला तालाब का बड़ा हिस्सा पट गया और पता ही नहीं निगम को..?

रायपुर। रायपुर नगर निगम के अंतर्गत कितना बड़ा भी गोलमाल हो जाए वो कम ही है,ताजा मामला ये है कि चौबे कॉलोनी स्वामी आत्मानंद सरोवर (करबलातालाब) को सौंदर्यीकरण के नाम पर तालाब के एक ओर के पाथवे को बन्द कर तालाब को पाटे जाने की शिकायत मिलने पर भाजपा पार्षद दल नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे के नेतृत्व में आज 12 बजे स्पाट पर पहुँच कर जोन आयुक्त और स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को मौके पर ही बुलाया। आम जनता के लिए बनाए गए वाकिंग पाथवे को बन्द कर उसमें पड़ी निर्माण सामग्री को दिखाते हुए पूछा गया कि क्या इस निर्माण की जानकारी आपको है या नही इस पर अधिकारियों ने अनभिज्ञता जाहिर की तब भाजपा पार्षद दल ने अवैध निर्माण की सामग्री लोहे के

छड़, सीमेंट इत्यादि की जब्ती कराते हुए कहा कि हम तालाब की एक इंच भी जमीन पटने नही देंगे। श्रीमती चौबे के साथ वरिष्ठ पार्षद मृत्युंजय दुबे,अमर बंसल,दीपक जायसवाल,सरिता आकाश दुबे व अन्य पार्षद शामिल थे।

मीनल चौबे ने कहा कि बहुत ही आश्चर्यजनक बात है कि अवैध निर्माण कब्जा करने के लिहाज से हो रहा है और जोन कमिश्नर से लेकर अधिकारी-कर्मचारी कहते हैं कि उन्हे नहीं मालूम,तो आखिर किनके संरक्षण में काम हो रहा है। कोई भी बिल्डर,एजेंसी या रसूकदार क्यों न हों अवैध काम तो होने नहीं देंगे। कार्रवाई होकर रहेगी क्योंकि अब राज्य में भाजपा की सरकार है। पूर्ववर्ती सरकार के संरक्षण में इस प्रकार के काम पिछले पांच सालों में चले हैं,अभी तो महज चेतावनी है आगे यदि फिर से काम हुआ तो पुलिस कार्रवाई होगी,जितने कब्जाधारी निर्माण है सबको हटाया जायेगा। आम लोगों को कोई असुविधा नहीं होगी और तालाब को पूरी तरह यथावत सरंक्षित रखा जायेगा।

नक्सली मुठभेड़ की जांच कराने से क्यों घबरा रही सरकार

रायपुर। पीडिया और कांकेर नक्सली मुठभेड़ की जांच कराने की मांग को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को पत्र लिखा है. दीपक बैज ने पूछा कि दोनों नक्सली मुठभेड़ों जांच कराने से सरकार क्यों घबरा रही है.

उन्होंने अपने पत्र लिखा कि कल आपने पत्रकारवार्ता लेकर पीडिया मुठभेड़ मामले में कांग्रेस के जांच दल के उठाए गए तथ्यों पर आपत्ति व्यक्त की थी. उन्होंने पत्र में लिखा है कि पीडिया मुठभेड़ हो या कांकेर की कोयलीबेड़ा मुठभेड़ की बात हो कांग्रेस पार्टी ने अपनी ओर से सवाल नहीं खड़ा किया, सवाल वहां के ग्रामीणों ने खड़ा किया है. कांग्रेस ने ग्रामीणों की मांग के बाद जांच कमेटी बनाई और जांच कमेटी में सभी आदिवासी नेता शामिल थे. जांच कमेटी ने ग्रामीणों से बात करने के बाद जो तथ्य पाया वह दुखद है. ग्रामीण और साक्ष्य बता रहे कि मुठभेड़ में मारे गए कुछ लोग निर्दोष थे तो सरकार को इस मामले की जांच कराने से क्या परहेज है? हाईकोर्ट के वर्तमान जज की देख-रेख में जांच करा ली जाए ताकि स्थितियां साफ हो सके. उन्होंने कहा कि कांकेर में हुई मुठभेड़ में मारे गए लोगों के भी नक्सली होने पर सवाल खड़ा हुआ था तब भी जांच की मांग हुई थी.

छत्तीसगढ़/राजधानी समाचार

काव्या रथ की पुस्तक विमोचित

रायपुर। पेशे से पीडियाट्रिक थैरेपिस्ट युवा कवयित्री 'काव्या रथ' के लघु काव्य संग्रह 'मेरी आवाज़ अकेली आवारा आज़ाद' का वृंदावन सभा भवन में लोकार्पण हुआ। अपने समय के बड़े ग़ज़लकार विनोद तिवारी की स्मृति में बने फाउंडेशन की ओर से यह कार्यक्रम हुआ। अतिथि के रूप में उपस्थित गिरीश पंकज,त्रिलोक महावर, डॉक्टर आलोक वर्मा, पीयूष कुमार ,संजय शाम, शीलकान्त-अर्चना पाठक, नन्दन आदि ने पुस्तक का लोकार्पण किया। आरंग कॉलेज के प्राध्यापक पीयूष कुमार ने समकालीन युवा कविता पर विस्तृत जानकारी दी। वरिष्ठ कवि त्रिलोक महावर में काव्या की रचनाओं पर एक सुंदर पर्चा पढ़ा। इस अवसर पर साहित्यकार गिरीश पंकज ने भी काव्या की कविताओं पर बात की और उसकी इस कविता का उल्लेख किया, 'मैं कहना तो चाहती हूँ/ लेकिन तेजाब से डरती हूँ/ तुम्हारे सवालों से नहीं, अपने ज़वाब से डरती हूँ'। उन्होंने आगे कहा कि हर कविता अगर सही दृष्टिसंपन्न है, तो वह युवा रहेगी। मैं कविता की दुनिया में इस तरह के विभाजन का पक्षधर नहीं हूँ कि यह स्त्री कविता है, यह युवा कविता है। किसी भी कवि को मनुष्य बनाकर कविता लिखनी चाहिए,

छत्तीसगढ़ के पर्वतारोही और एथलीट बंशीलाल नेताम का निधन

रायपुर। कांकेर। साइकिलिंग में विश्व रिकॉर्ड बना चुके एथलीट, पर्वतारोही बंशीलाल नेताम का निधन हो गया है. बंशीलाल छत्तीसगढ़ पुलिस में कमांडो ट्रेनर थे. बंशीलाल साइकिलिंग में विश्व रिकॉर्ड बना चुके थे. इसके साथ ही वो एथलीट, पर्वतारोही, बाइक राइडर, महान प्रेरक वक्ता थे. 20 मई को वे माउंट एवरेस्ट पर हुए दुर्घटना का शिकार हो गए थे. इसके बाद उनका नेपाल में इलाज चल रहा था. सोमवार दोपहर तीन बजे उन्होंने नेपाल के एचएएमएस अस्पताल में अंतिम सांस ली. बंशीलाल नेताम उत्तराखंड के कालानाग पर्वत फतह करने वाले छत्तीसगढ़ के पहले व्यक्ति थे. उन्होंने 11 दिन तक माइनस 15 डिग्री तापमान में चढ़ाई कर छह हजार मीटर से भी अधिक की चढ़ाई पूरी की थी. इसी साल अप्रैल महीने में वे माउंट एवरेस्ट शिखर पर चढ़ाई (8850+ मीटर) के लिए नेपाल गए थे. इस दौरान उन्होंने 19 मई 2024 तक 6400 मीटर की चढ़ाई पूरी की. अविनाश ठाकुर, डीएसपी कांकेर ने बताया कि बंशीलाल नेताम हमारे यहां आरक्षक के पद पर पदस्थ थे. वे छुट्टी लेकर 70 दिनों के लिए गए हुए थे. इस दौरान उनके साथ हादसा हो गया. 20 मई को उनकी तबीयत खराब हुई. 21 मई को उनको नेपाल के अस्पताल में भर्ती कराया गया.

रायपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी पर मुख्यमंत्रीने थपथपाई उनकी पीठ

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दो बड़े कारोबारियों को मारने आए लॉरेंस-अमन गैंग के 4 शूटर को गिरफ्तार कर रायपुर पुलिस ने एक बहुत बड़े षड़यंत्र का पर्दाफाश किया है। जिससे कि राजधानी रायपुर में होने वाली एक बड़ी अनहोनी टल गई। इस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर पुलिस की पीठ थपथपाई है।

साय ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि हम बधाई देना चाहेंगे हमारे पुलिस के जवानों को, जिन्होंने एक अनहोनी घटना घटने वाली थी, उसका समय रहते पर्दाफाश कर दिया। जब से प्रदेश में हमारी सरकार आई है, तब से सब कुछ ठीक चल रहा है। गौरतलब है कि लॉरेंस बिश्नोई-अमन गैंग के 4 शूटर छत्तीसगढ़ को दहलाने की नापाक साजिश कर रहे थे। जिसे रायपुर पुलिस ने अपनी सूझबूझ से गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों को छत्तीसगढ़ और झारखंड के बड़े कोयला कारोबारियों की हत्या करने की सुपारी मिली थी। जिसका समय रहते रायपुर पुलिस ने पर्दाफाश किया।

हटकेश्वर नाथ वालीबाल संघ दे रहा है 32 बच्चों को प्रशिक्षण

रायपुर। जिला प्रशासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न खेलों के लिए 22 मई से 11 जून तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में श्री हटकेश्वर नाथ वालीबाल संघ महादेव घाट रायपुर द्वारा वॉलीबॉल का प्रशिक्षण राष्ट्रीय रेफरी दुर्गा प्रसाद पटनायक एवं कोच द्वारा 32 बच्चों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। वैसे तो हटकेश्वर नाथ बालीवाल संघ के सौजन्य से 1 अप्रैल से निरंतर प्रशिक्षण जारी है । छत्तीसगढ़ खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार निशुल्क योजना के अंतर्गत पुनः पंजीयन कराकर वॉलीबॉल प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। रमाकांत निषाद सचिव द्वारा बताया गया कि अभी तक 37 बच्चों को पंजीयन फॉर्म का वितरण किया गया है जिसमें से 32 बच्चों का फॉर्म जमा हो चुका है। वर्तमान में इस वॉलीबॉल के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 32 बच्चें आ रहे हैं। बच्चों का यहां आना निरंतर जारी है शेष बच्चों द्वारा शीघ्र ही फॉर्म जमा करने की जानकारी दी गई।

पेट्रोल पंप के मैनेजर से दिनदहाड़े 14 लाख की लूट

राजनांदगांव। जिले के बागनदी थाना क्षेत्र में एक दिनदहाड़े लूट का मामला सामने आया है. तीन अज्ञात लुटेरों ने पेट्रोल पंप (मारुति फ्यूल्स) के मैनेजर से 14 लाख रुपये की लूट की है. वहीं लूट की सूचना मिलते ही पुलिस अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुट गई और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. आरोपियों ने लूट की वारदात को कार में दिया है.

जानकारी के अनुसार, राजनांदगांव के बागनदी थाना क्षेत्र अंतर्गत आज सुबह लगभग 11 बजे मारुति फ्यूल्स का मैनेजर पेट्रोल पंप के रुपये बैंक में जमा करने अपनी बाइक से राजनांदगांव आ रहा था. इस दौरान चिचोला के समीप तेंदू नाला के पास कार सवार तीन अज्ञात लुटेरों ने उसे रोककर उसके पास रखे लगभग 14 लख रुपये की लूट कर ली. मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस अज्ञात लुटेरों की तलाश में जुट गई है.

इस संबंध में राजनांदगांव के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा ने बताया कि प्रार्थी द्वारा मामले की रिपोर्ट की गई है. जिसकी जांच पड़ताल की जा रही है. राष्ट्रीय राजमार्ग में दिनदहाड़े हुई इस लूट की वारदात के बाद पुलिस आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है. साथ ही आरोपियों की तलाश में सभी थानों को भी अलर्ट कर दिया गया है.

अगले तीन दिन तक ग्रीष्म लहर चलने का अलर्ट

दिन में लू जैसे हालात, रात में हो रही बेचैनी

रायपुर। देश समेत छत्तीसगढ़ में चल रहे नवतपा के दूसरे दिन गर्मी ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है. राजधानी का अधिकतम तापमान 44 डिग्री के करीब पहुंच चुका है. तेज धूप की वजह से दोपहर आग उगलती गर्मी महसूस हुई, वहीं रात को तीन डिग्री ज्यादा तापमान से बेचैनी बढ़ गई. चक्रवाती तूफान के असर से बादल तो छाए, मगर गर्मी पर इसका कोई असर नहीं हुआ तेज धूप और गर्मी को देखते हुए मौसम विभाग द्वारा तीन दिन का येलो अलर्ट जारी किया गया है. नवतपा के तीसरे दिन तापमान ने अपना

असर दिखाया. खासकर प्रदेश के मध्य हिस्से में आग उगलने वाली गर्मी महसूस होने लगी है. सोमवार को राज्य में आने वाली हवा की दिशा बदलकर उत्तर-पश्चिम हो गई और शुष्क हवा से दोपहर के वक्त लू का अहसास होने लगा. गर्मी इतनी अधिक थी कि लोगों ने बेचैनी महसूस की दोपहर बाद बादल छा गए. इससे धूप से तो राहत मिली, मगर गर्मी ने अपनी कहर बरपाना कम नहीं किया. अभी दिन के साथ रात में भी गर्मी की वजह से बेचैनी का दौर जारी है और तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है. अगले चौबीस घंटे में रात में बेचैनी और बढ़ने की संभावना जताई गई है. मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अगले तीन दिन तक रायपुर समेत रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के जिलों में अगले तीन दिन तक ग्रीष्म लहर चलने का अलर्ट जारी किया है.

मौसम विभाग के मुताबिक ग्रीष्म लहर की स्थिति गौरेला पेंड्रा मरवाही, बिलासपुर, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर, रायपुर, बलौदाबाजार, महासमुंद, दुर्ग, राजनांदगांव, मोहला, मानपुर, खैरागढ़- छुईखदान, बालोद, बेमेतरा एवं कबीरधाम जिले के एक-दो हिस्सों में रह सकती है. इसके अलावा 28, 29, 30 मई को रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग संभाग के सभी जिलों में लू जैसे हालात बन सकते हैं.

इस बार नौतपा/ नवतपा/ रौहिणी नक्षत्र 25 मई से प्रारंभ होकर 3 जून तक रहेगा। नौतपा का मतलब है कि नौ दिनों तक सूरज अपने उच्चतम तापमान पर रहेगा। यानी इस दौरान गर्मी अपने चरम पर होती है.

विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के कार्य में तेजी लाने के दिए गए निर्देश

रायपुर। अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047 डाक्यूमेंट हेतु गठित स्टेयरिंग कमेटी की दूसरी बैठक राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह की अध्यक्षता एवं मुख्य सचिव अमिताभ जैन की सह अध्यक्षता में राज्य नीति आयोग में आयोजित की गई।

बैठक में छत्तीसगढ़ 2047 विजन डाक्यूमेंट तैयार किए जाने के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के अपर मुख्य सचिव धर्मस्व विभाग सुब्रत साहू, गृह एवं जेल मनोज

पिंगुआ और वन एवं जलवायु परिवर्तन श्रीमती ऋचा शर्मा, मुख्यमंत्री के सचिवद्वय श्री पी. दयानंद और श्री बसवराजू एस. सहित सभी विभागों के भारसाधक सचिव, विभागाध्यक्ष, राज्य नीति आयोग के सलाहकार सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में विभागों के प्रमुख अधिकारियों को विजन डाक्यूमेंट तैयार करने तेजी से कार्य करने निर्देशित किया गया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.